

عمر خیر ندویہ ادارہ

ﷺ

# طب نبوی



صاحب مؤلفہ: علامہ ابن رابعہ رحمۃ اللہ علیہ  
مترجم: حافظ فضل محمد عمر

عمر خیر ندویہ ٹولنہ قندھار

# ومضامينو فهرست

|   |    |
|---|----|
| لرليک   | مخ |
| ..... 13 ددي کتاب تول حقوق دخپرنديويه تولني سره محفوظ دي: | 13 |
| ..... 13 دکتاب لنډه پيرندنه:                              | 13 |
| ..... 15 ديباجه اومقدمه دمصنف:                            | 15 |
| ..... 19 جسماني صحت اوجورتيا:                             | 19 |
| ..... 20 دروژي مسنونه طريقه:                              | 20 |
| ..... 21 کله چي نوي ناوي کورته راسي:                      | 21 |
| ..... 22 دجماع په وخت کي دشيطان څخه حفاظت:                | 22 |
| ..... 22 دکوروالي صحيح وخت :                              | 22 |
| ..... 22 دکوروالي آداب :                                  | 22 |
| ..... 23 دکوروالي په وخت کي خبري کول:                     | 23 |
| ..... 23 بغير دغسل څخه دکور والي تاوان:                   | 23 |
| ..... 24 په ولاړي کوروالي کول:                            | 24 |
| ..... 24 دمياشتي په نيمايي کي کوروالي کول:                | 24 |
| ..... 24 دکوروالي څخه ورسته بولي کول:                     | 24 |
| ..... 24 دکوروالي څخه ورسته استجاوهل:                     | 24 |

|   |    |
|---|----|
| دکوروالي په وخت کي دښخي شرمگاه ته کتل   | 25 |
| دکوچني دپيدا کيدوناجوري اودهغي علاج:    | 25 |
| دکوچني په غورکي دانن اواقامت ويلوفايدي: | 25 |
| خرماژول اودکوچني په خله کي ورکول:       | 26 |
| دکوچني نوم په اوومه ورځ ايښودل:         | 26 |
| دبدنظر څخه دحفاظت تعويذ:                | 26 |
| دکوچنيانوپه اخلاقوباندي دشيديو اثر:     | 27 |
| دخوراک په وخت دشيطان څخه دحفاظت:        | 27 |
| دمالگي څکلوفايدي:                       | 27 |
| دناروغ سره ډودي خورل:                   | 28 |
| دخوراک په وخت کي يوڅودعاوي:             | 28 |
| په خوراک کي دبرکت پيدا کيدودپاره:       | 28 |
| ددهضمی مجرب علاج:                       | 28 |
| دغريبي اومحتاجي څخه دحفاظت:             | 29 |
| دفرشتو دعااخستل:                        | 29 |
| درزق دفراخي تدبير:                      | 30 |
| دبرکت حاصلولودپاره عمل:                 | 30 |
| دخوراک هضم کولو علاج:                   | 31 |
| دزړه دطاقت علاج:                        | 31 |
| دمچ دزهر وڅخه شفاء:                     | 32 |

- 32..... په خوراک څښاک کي د زهروڅخه حفاظت:
- 33..... ددي دعايوپه زړه پوري قصه:
- 33..... دهاضمي علاج:
- 34..... دغابښ دتکليف علاج:
- 34..... په خوراک څښاک کي بي برکتی:
- 35..... دلبرخوراک فايدي:
- 35..... دډير خوراک تاوانونه:
- 36..... دخاوري خورلو تاوانونه:
- 36..... دغوبښي خورلو فايدي:
- 37..... دبدن دکمزوري علاج:
- 37..... دانخر فايدي:
- 37..... دزيتون اودزيتون دغوروفايدي:
- 38..... ترډيره وخته پوري دخوان پاته کيدو علاج:
- 38..... دخرمافايدي:
- 39..... دجادواوزهروعلاج:
- 39..... ددماغ دطاقت پيدا کولو دپاره علاج:
- 40..... دزړه اودماغ دکمزوري علاج:
- 40..... دمعدې دبخار علاج:
- 41..... ددماغودخشکی اودخارش علاج:
- 41..... دقوت باه ډير والي:

|  |    |
|--|----|
| دوینی دصافولو علاج:                                | 41 |
| دنس درطوبت اودیر وناجوریو علاج:                    | 42 |
| دوینی دصفاکیدو علاج:                               | 42 |
| دقوت باه علاج:                                     | 43 |
| په پوڅکی باندي دسترگودناجوریو علاج:                | 43 |
| دپوڅکی نور خاصیتونه:                               | 44 |
| دسترگودخوروالي اودردعلاج:                          | 44 |
| دسترگوڅخه دغبار لیري کولو اونظر تیزیدو دپاره علاج: | 45 |
| دکمزورئ اومردانه قوت دحرکت دپاره:                  | 45 |
| دخورسترگو علاج:                                    | 46 |
| دنظر دتیزیدو علاج:                                 | 46 |
| دعام جسمانی طاقت اوقوت باه علاج:                   | 47 |
| په سبزی جاتوسره دناروغي علاج:                      | 47 |
| په شیدوسره جسماني طاقت پیداکول:                    | 48 |
| دعسلو خاصیتونه اودهرې ناروغي څخه شفاء:             | 48 |
| دنس ددرداودهاضمي علاج:                             | 49 |
| دکنځلو(تل) خاصیتونه اودناجوریو علاج:               | 49 |
| په اوبوسره دتبي علاج:                              | 50 |
| دامل بندول او عسل:                                 | 51 |
| دجوز اوپنیر خاصیتونه:                              | 51 |

|                                      |    |
|--------------------------------------|----|
| .....                                | 52 |
| دشوندخوصیات اودناجوریو علاج:         | 52 |
| .....                                | 52 |
| تردیره وخته بدن جورساتل:             | 53 |
| .....                                | 53 |
| داستسقاء (وبا) علاج اودری قسمونه:    | 53 |
| .....                                | 53 |
| داوینی په شیدواوبولوسره دلمحي علاج:  | 53 |
| .....                                | 53 |
| دزخم وینه بندول:                     | 54 |
| .....                                | 54 |
| دسررداودخرابی وینی علاج:             | 55 |
| .....                                | 55 |
| دعرق النساءدردپاره علاج:             | 55 |
| .....                                | 55 |
| دقبض علاج اودسنا خلاص:               | 56 |
| .....                                | 56 |
| په کلونجی دعاموناجوریو علاج:         | 57 |
| .....                                | 57 |
| په کوچنیوناجوریو دلویوناجوریو کفاره: | 57 |
| .....                                | 57 |
| جسمانی ناروغي اوداوری خاصیتونه:      | 58 |
| .....                                | 58 |
| دلمرتودی اوبه فیس ناجوری پیداکوي:    | 58 |
| .....                                | 58 |
| دخارش علاج:                          | 59 |
| .....                                | 59 |
| ذات الجنب یاپښتي دردعلاج:            | 61 |
| .....                                | 61 |
| دسر ددردعلاج اودنکریز و خاصیتونه:    | 62 |
| .....                                | 62 |
| دکوجنیانو دحلق ناجوری:               | 63 |
| .....                                | 63 |
| دقسط بحري فایدی:                     | 63 |
| .....                                | 63 |
| دزړه درد اودهغه علاج:                | 64 |
| .....                                | 64 |
| علاج اوپرهیز کول سنت دي:             | 65 |
| .....                                | 65 |
| دخد اوبی حسی علاج:                   |    |

|  |    |
|--|----|
| دثیره اوددانو علاج:                        | 65 |
| دمریض په پوښتنه کولوباندي دمریض تسلي کیدل: | 66 |
| دغصی اوقهر لیری کولو علاج:                 | 66 |
| دناروغي اوغم علاج:                         | 67 |
| دزهروتاوانونه او علاج یی:                  | 68 |
| دقي په ذریعه دناروغيو علاج:                | 69 |
| دمولي دبوې علاج:                           | 70 |
| هریره اوددی فایدی:                         | 70 |
| دکرفس اونرگس فایدی:                        | 70 |
| دلویباخاصیتونه اوفایدی:                    | 71 |
| دهندوانی خاصیتونه اوفایدی:                 | 71 |
| نسیان هیره پیداکیدونکي شیان:               | 71 |
| دمشک خاصیتونه اوفایدی:                     | 72 |
| درنجوصحیح طریقه:                           | 72 |
| دخوشبوئی فایدی اواخصیتونه:                 | 73 |
| دشیپی اوپه جاموسره دجاروکولونقصانونه:      | 74 |
| دمختلفوخوراکونوجمع کولونقصان:              | 74 |
| دخوراک څخه ورسته سپورت کول:                | 74 |
| دمسواک فایدی اواخصیتونه:                   | 75 |
| دخوب فایدی اونقصاناتونه:                   | 76 |

|  |    |
|--|----|
| دآب زمزم فايدي او خاصيتونه:                      | 77 |
| دابوڅينلو صحيح طريقه:                            | 77 |
| در ټولو غوره اوبه کومي دي؟                       | 79 |
| د دوايانو دوه قسمونه دي:                         | 79 |
| د عام تعويذ د کولو حکم:                          | 80 |
| دمنتر (تعويذ) حکم:                               | 81 |
| په روحانيادوياتو سره د علاج طريقه:               | 81 |
| دويمه حصه:                                       | 83 |
| دالله تعالیٰ په نومونو سره علاج کول:             | 83 |
| په دعاو يلو سره د تبي علاج:                      | 83 |
| د سترگي د تکليف دعا:                             | 83 |
| د عاموناجور يو دپاره دعا:                        | 84 |
| د مار خورلي دپاره دعا:                           | 84 |
| د قران کریم څخه د جسماني او روحاني ناروغيو علاج: | 85 |
| د سوره فاتحي خاصيتونه:                           | 86 |
| د ليونتوب ليري کولو عمل:                         | 86 |
| د هر قسم درد دپاره عمل:                          | 87 |
| د ديري امراضو دپاره دعا:                         | 87 |
| د لرم خورلي دپاره دعا:                           | 88 |
| د زخم اودانو علاج:                               | 89 |



|  |     |
|--|-----|
| دطاعون اووباعلاج:                          | 89  |
| دوباطبی علاج:                              | 91  |
| دسحر جادوعلاج:                             | 92  |
| دمنله علاج:                                | 94  |
| دنقصان لري کولو علاج:                      | 94  |
| دنظر کیدلو علاج:                           | 95  |
| دبدنظر علاج:                               | 97  |
| دبدنظر زخم:                                | 98  |
| دهر قسم بلا او آفتونو څخه دحفاظت دعا:      | 98  |
| دغم او فکر ليري کولو دپاره دعا:            | 99  |
| دحاجت پوره کولو دپاره دعا:                 | 99  |
| دلایوني سپی دخور لودپاره دعا:              | 99  |
| دماشومانو دحفاظت عمل:                      | 99  |
| دآسیب ليري کولو علاج:                      | 100 |
| دجسم دحفاظت دپاره دعا:                     | 100 |
| دقرض دادا کیدو دپاره دعا:                  | 100 |
| دغم او فکر دپاره دعا:                      | 101 |
| دشیطان څخه دحفاظت دعا:                     | 102 |
| دبدن دروغوالي دپاره دعا:                   | 102 |
| دهر قسم شر او آفتونو څخه دحفاظت دپاره دعا: | 102 |

|                                       |     |
|---------------------------------------|-----|
| دناجوری او غم لیری کیدولودعا:         | 103 |
| دهر قسم شر او بلاڅخه دحفاظت دعا:      | 104 |
| د دعا ذالنون دویلو طریقه:             | 104 |
| د خپل ځان او همسایه دحفاظت دپاره دعا: | 105 |
| دنسیان (هیری) دعا:                    | 105 |
| د قرص دادا کیدو دعا:                  | 106 |
| د حیوان دسر کښی په وخت کي دعا:        | 106 |
| دهر قسم ناجور یو دپاره دعا:           | 107 |
| د غرقیدو څخه دحفاظت دعا:              | 107 |
| د جادو لیری کولو دپاره دعا:           | 107 |
| د پریشانی او تکلیف دعا:               | 108 |
| د غلو څخه دحفاظت دپاره دعا:           | 108 |
| د ناروغي څخه د شفا پیداکولو دعا:      | 108 |
| د زړه د سختی دپاره دعا:               | 109 |
| د فقر اولوړی لیری کولو دپاره دعا:     | 110 |
| د ولادت داسانتیا دپاره دعا:           | 110 |
| د سوسې دفعه کولو دپاره دعا:           | 111 |
| د ورک سوي شي دپاره دعا:               | 111 |
| د بازار د شر څخه دحفاظت دپاره دعا:    | 111 |
| د ناروغي څخه دحفاظت دعا:              | 112 |

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| دفعش (بدر دڅخه) دحفاظت دپاره دعا: | 112 |
| دوسو سوڅخه دحفاظت دپاره عمل:      | 112 |
| دنعمت دزیاتیدو دعا:               | 113 |
| دمال دزیاتیدو دعا:                | 113 |
| ددرود شریف فایده او خاصیتونه:     | 113 |
| یادونه:                           | 115 |

قُلْ هُوَ الَّذِي آمَنُوا هُدًى وَشِفَاءً:

ترجمہ

وواہ ای پیغمبرہ دادمونانو دپارہ ہدایت اوشفاء دی

## طب نبوی

پہ دی مشہور اومتبرک کتاب کی دھر رقم  
ناجوریو علاجونہ دقرآن اوحدیثو پہ رناکی بیان  
سویدی پہ ہر کور کی دساتلو قابل دی۔

مصنف: مولانا حافظ اکرام الدین واعظ رحمة الله عليه

مترجم: حافظ فضل محمد عمر

ناشر: عمر خیر ندویہ ٹولنہ قنڈھار

## ددي ڪتاب ٽول حقوق دخپرندويه ٽولني سره محفوظ دي:

### دڪتاب لنڊه پيرندنه:

دڪتاب نوم-----طب نبوی □

مصنف-----مولانا حافظ اڪرام الدين واعظ رحمة الله عليه

پښتو ترجمه-----حافظ فضل محمد عمر

ڪمپيوٽر سمبالونڪي-----عمر خپرندويه ٽولنه قندهار

تعداد چاپ-----۱۰۰۰

دچاپ ڪال-----۱۴۳۶ هجري

ناشر-----عمر خپرندويه ٽولنه قندهار

اڀريڪه-----۰۷۰۰۸۸۶۳۰۰

دخپروني لڙ----- (۱)

بلغ العلی بکماله  
کشف الدجی بجماله  
حسنت جمیع خصاله  
صلو علیه واله

## ديباچه او مقدمه دمصنف:

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ الحمد لله الذي هو يطعمني ويسقيني  
 واذما مرضت فهو يشفين والذي يميتني ثم يحييني والصلوة  
 والسلام على خير خلقه محمد واله واصحابه اجمعين: ورسته  
 هر انسان ته دهر څه درمخه دا زده كول پكار دي چپالله  
 □ زه صرف او صرف دعبادت دپاره پيدا كړي يم . دالله  
 □ عبادت درهغه وخته پوري په بڼه او كامله توگه نسي كيداى  
 ترڅو چي انسان دپوره صحت او روغتيا خاوندنه وي صحت  
 او روغتيا پردي باندي ولاړ دي چي بنده خپل جسماني  
 روغتيا ته پاملرنه وكړي . په عام ډول د دې دپاره څلور  
 مروجي طريقې دي . دعا، تداوي ، عمل، پرهيز ، ليكن  
 د جسماني مرضونو بعضي علاج كونكي مثلاً جالينوس وغيره  
 چي هغه صرف په تجربه قائل دي دمرض ليري كيدو لپاره  
 دعا كافي نه بولي . او د مسلمانانو په حق كى وائي چي دوي  
 ناپوه خلگ دي ځكه چي دمرض ليري كيدو دپاره ددعاء قائل  
 دي . ددوي دافكر دى چي ددعا تعلق يوازى دژبي سره دى  
 . او په جسماني مرضونو كى ددې هيڅ اثر نسته ليكن  
 دامفكوره غلظه ده ځكه دخبرو په اثر كولو بانديهر سړي  
 پوهيري لكه چي يومشهور مثل دى (دتوري زخم جوړيري  
 خودژبي زخم هيڅ كله نه جوړيري ) دمثال په ډول كه يو كس  
 وبل كس ته بده خبره وكړي نو حتمامخاطب په زړه كى  
 دكسات جذبه راپيداسي . دغه رنگه دښه خبري اثر هم دظاهر  
 څخه دانسان وزره ته رسيري كله چي ديو معمولي انسان په  
 خبره كى دومره اثره سته نودالله □ په كلام كى به ولي اثرنه  
 وي ؟ ددې سره سره كه څوك ددعا قائل نه وي نو ښكاره

خبره ده چی دادهغه ناپوهیده. ځکه چې مذکور کس دښه اوبدي خبري داثر قائل دي. خودالله تعالیٰ □ دکلام داثر قائل نه دی. نتیجه دخبروداده الله تعالیٰ □ انسان ددوشیانوڅخه جوړکړی دی یوجسم (بدن) دویم روح رسول الله □ چی رحمة العالمین دی دروحانی مرضونوسره په څنگ کی دجسماني مرضونو علاج (تداوي) رابنوي ده. ځکه که چيري رسول الله □ تاسوته دجسماني ناجوريو علاج نه وائی دربنودلي نو داسلام دښمنانوبه دښي اودهغه څخه په ورسته دامت دعالمانوپه حق کی اعتراضونه کوه لاي. چي الله □ ته دتولي دنيادپاره رحمت څنگه راليرلي یی؟ ځکه چي دښه جسم خوهم په دنياکي داخل دی اوتاته دهغه داصلاح هيڅ خبر نسته. نو دبدن دپاره په هيڅ صورت رحمت نه سی بلل کيداي. نو دغه اعتراض ته جواب ويل دهر چادپاره مشکل وو. نو ددي کبله الله تعالیٰ □ ونبی کریم □ ته دبدن اوروح دواړو علاج بنوي دی. خو په دي خبره ځان پوهول ضروري دي چی حکماء جسماني علاج يوازي په دواباندي کوي. دوي په دواو دعادواړوسره دخپل امت علاج کوي ولی چی داتجربه دمودوراهيسي موجوده ده چي پير داسي مرضونه سته چي دهغه علاج په تداوي کولوسره نه کيري. لکه جادو، پيري، اونظر کيدل ددهغه مرضونو علاج يوازي دالله □ په مقدسونو مونومبارکانو او دعاوسره کيري بلکه پير عملونه لادرمخه انسان ته وربنودل سويدي چي دهغوپه کولو او عملي کولوسره هيڅ بلانه سی راتلاي. دهغه تفصيلي بيان به انشاء الله په کتاب کي هم راسي. دا خصوصيت يوازی دانبياء عليهم السلام دي چي دناجوريدراتگ څخه درمخه علاج وښئ اودرحمة العالمين هم دغه معني ده. داخبر



ديادولوورده چي دطب نبوي تعلق دوحې سره دي او عام دنياوي علاجونه يوازې تجربه ده بعض خلگ تجربه يقين ته نژدې بولي ليکن تجربه دوحې مقام ته هيڅ کله نه سي رسيدلي نوکه چيري څوک دطب نبوي په ذريعه دخپل جسم علاج کول غواړي نو هغه ته پکار ده چيلمرې په خپل زړه کي دطب نبوي په اړه په خپل زړه کي عقیده ټينگه اومضبوطه کي ولي چي ددې څخه بغير فايده نه حاصليري. که څوک په دي کي خپل عقل ته دخل ورکوي نو هغه ددې دفايدوڅخه محروميږي ولي چي انبياء عليهم سلاممعالج روحاني دي څرنگه چيددوي روحاني علاج و عقل ته نسونوتلای دغه رنگه جسماني علاج هم د عقل موافق نه سي کيداي. نو ددې کبله مسلمانانوته پکار ده چي دناروغيو علاج په تداويسره هم وکي او په دعاسره هم بايد يوازي په دواسره علاج ونه کړل سي دواهم دتدبير په درجه کي ضروري ده خوشفاء ورکول دالله تعالی دطرفه څخه ده اودواسبب اوتدبير څخه پورته اثر کونکي بلل نامناسب دي اوکوم څوک چي يوزاي دوابالذات اثر کونکي گني نو هغه مشرک دي ددغه وهم دوجي بعضو عالمانو دوا مکره بللي ده ددې دپاره چي دواخستونکي ورباندي اعتماد اوباوړونکري او دمرگ په وخت کي فرشتي ووائي چي ذلک ماکنت منه تحيد (يعني دا هغه مرگ دي چي ته ځني تبتيدلي) يعني چي لږ بيماري به درته راتله نوددواو خواته به دي ځغستل او په خپل خالق يعني الله باندي به دي اعتماد نه کوي ليکن سمه خبره داده چي دواکول هم سنت ده اوضروري ده ځکه چي اسامه بن شريک فرمائي زه يوه ورځ درسول الله په خدمت کي

حاضر سوم خلقو پوښتنه ځني کول چي يارسول الله ﷺ که مور  
 دناجوري په وختکي دواکو وکومه گناه خونه ده؟ داچي رسول  
 الله ﷺ واوريدل نووئي فرمائل چي دواکوئ اي دالله ﷻ بندگانوالله  
 تعاليٰ ﷻ چي څومره مرضونه پيدا کړي دي نو دهغو دپاره ئي  
 دواياني هم پيدا کړي دي ليکن مرض دمرگ ددي څخه  
 ماسوا دي. ددي حديث شريف څخه معلوميري چي دواکول هم  
 جائز دي. اودا بنکاره سوه چي دجسماني ناجوريو علاج په  
 څلور طريقوسره کيږي. ۱. په دواسره ۲. په دعاسره ۳. ديو خاص  
 عمل په کولوسره ۴. په پرهيز سره (دبوه عمل په  
 پريښودلوسره. او په دعاسره علاج کول دانبياء عليهم السلام  
 دپاره مخصوص دي. په دي کي بل څوک شريک نه دي. په  
 دي وجه په دي کتاب کي د علاج څلور طريقي په تفصيل سره  
 ذکر کيږي اودهر علاج دپاره درسول الله ﷺ احاديث سره  
 دکتابونودحوالي بيانيري. ورسره دعلماو اوقوال هم رانقل  
 سويدي. ځکه چي علماء درسول الله ﷺ نائبان اود حديثو شرح  
 کونکي دي. دکم حديث اوقول ذکر چي کيږي ددي په شروع  
 کي لفظ علاج ليکل سويدي ځکه دطب نبوي دپاره هدا لفظ  
 مناسب دي په دي لنډ او مختصر کتاب کي بابونه اوفصلونه نه  
 دي ورکړل سوي ځکه دادلو يو کتابونو دپاره مناسب دي. دجسم  
 دصحت دپاره تر ټولو ضروري علاج نکاح کول دي. ځکه  
 نو ددي علاج څخه پيل کوم

## جسماني صحت او جوړتيا:

علاج: په صحيح بخاري شريف كي دحضرت عبادة څخه مرفوعاً روايت دي (فمن رغب عن سنتي فليس مني) ترجمه: رسول الله ﷺ فرمائي دي چي زه دښخونكاح كوم كم څوك چي زما دطريقي څخه انكار كوي هغه زما څخه نه دي. او په سنن ابې داود، نسائي او حاكم كي دمقل بن يسار څخه مرفوعاً روايت دي

" تزوجوا الودود الولود فإني مكاتر بكم الأمم" ترجمه: رسول الله ﷺ فرمائي دي دداسي ښځوسره نكاح كوي چي دخپلو خاوندانوسره مينه كوي او ډير بچيان پيدا كوني وي ځكه چي زه به ستاسو ډيروالي دكبله داخرت په ورځ نور وامتونوته فخر كوم. او په صحيح بخاري او مسلم كي دحضرت عبدالله ابن مسعود څخه مرفوعاً روايت دي

(يا معشر الشباب من استطاع منكم الباءة فليتزوج فإنه أغض للبصر وأحصن للفرج ومن لم يستطع فعليه بالصوم فإنه له وجاء) (ترجمه) درسول الله ﷺ حديث شريف دي چي اي دځوانانو ډلي په تاسوكي چي څوك دنكاح وس لري هغه بايدنكاح وكې ځكه چي نكاح كول سترگي دگناه څخه كښته كوي او عورت دبيخايه استعمال څخه بندوي. څوك چي دنكاح كولو طاقت نه لري هغه دي روژې ونيسي ځكه چي روژې شهوت كموي. فائده: په حديث شريف كي دوه علاجونه راوه ښودل سوه يونكاح كول. دويم روژې نيول په نكاح كولو سره بدن دخرابي ويني او خرابو دانو او نا جوړيو څخه محفوظ پاته كيږي. ليكن ډير وجماعو څخه پر هيز لازمي

دی. ولي چي دانسان بدن کمزوري کيڙي. اوپه رنگ رنگ  
 ناجور يواخته کيڙي. که څوک د غربت په وجه دوا ده  
 کولو طاقت نه لري. نوبایدروژي ونيسي. ځکه چي د روژي په  
 نيولوسره درطوبتزياتوالي نه راځي اود بلغمي امراضوڅخه  
 خلاصیږي. لیکن د ضروري ده چي روژه به د سنت طریقي  
 مطابق وي ځکه بعضی وختدروژوودپير والي دکبله د بدن  
 رطوبت وچ سی دغه رنگهآخرمزاج سوداوي سي  
 (دلیونتوب بیره وي).

### دروژي مسنونه طریقه:

دروژي مسنونه طریقه داده چي په هفته کي دي دوي ورځي  
 روژه ونيسي يوه دشنبې په ورځ اوبله دپنجشنبې په  
 ورځ. ځکه چي ددي حکم په مسلم، ابوداود، اوترميذي کي په  
 پيرو حدیثوکي راغلی دی اوپه هره میاشت کي دي دري  
 روژي نيسي دارسول الله ﷺ په څو طریقوسره نيولي دي. دنيتي  
 په حساب دديارلسم، څوارلسم، او پنځلسم ورځ به رسول  
 الله ﷺ روژه نيول. او کله به یی دورځوپه حساب سره په میاشت  
 کي يوځل روژي ونیولي دشنبې یکشنبې او چهارشنبې په  
 ورځوکي. اوپه بله میاشت کي به یي دنهې سه شنبې  
 او چهارشنبې په ورځو روژه ونیول. جامع ترميذي دحضرت  
 عائشي رضی الله تعالی ﷻ عنهاڅخه يوحديث رانقلکړيدي چي  
 بعض وختونه به رسول الله ﷺ دورځو او تاريخ خیال نه ساتي  
 خو کله چی به یی وغوښتل نو دادرې روژي به یی نيولي. دغه  
 حديث مسلم، ابوداود، اوترميذي رانقل کړيدي. اوپه ټول کال  
 کي سنت طریقه داده چي دروژي مبارکي میاشتي روژه  
 پوره ونیول سي، اودکوچني اختر دمیاشتي شپږروژي، دمحررم

دمياشتي دوي روژي، دلوي اختر دمياشي نه روژي په اولولس ورځو کي، کوم بنده چي داروژي په مسنونه طريقه سره ونيسي دهغه د بدن رطوبت به نه ډير کم اونه به ډيروچ سي. مصنف د غايعه الاحکام ليکلي دي چي کوم بنده چي دناچاري دکبله نکاح نسي کولاي، روژه هم نسي نيولاي، نودشهوت دکمولودپاره علاج هم صحيح دي.

### کله چي نوي ناوي کورته راسي:

علاج: نودناوي لاس دي ونيسي اودادعادي ووائي

الهم اني اسئلک من خيرهاوخير ماجبلتهاعليه واعوذبک من شر ماجبلتهاعليه (ترجمه) اي الله ﷻ زه ددي دبنه والي اوددي دعيونودبنه والي سوال کوم اوددي ددي اوددي دعيونوددي څخه پناه غواړم. فايده: داروايت په ابوداوداوپه نوروکتابو کي دعمر وبن سيف څخه رانقل سويدي. ددي دعابرکت دادي چي الله ﷻ ددي بنخي څخه بدوالي ليري کي. اوپه دغه کور کي نيکي خپره سي. اوکه څوک مينځه، مري، اويوايوحيوان رانيسينودهغه پرتندي باندي دي لاس کيردي اودغه دعادي ووائي. اوپه شرعة الاسلام کي داطريقه دسنت موافق داسي ليکلیده چيکله ناوي کورته راوستل سي نودهغي دواړي پيني دي پريمخل سي هغه اوبه دي دکورپه کونجانو کي وپاشل سي. الله تعالي ﷻ به په کور کي خير اوبرکت راولي.

## دجماع په وخت کي دشيطان څخه حفاظت:

علاج: دجماع څخه مخکي دي دادعاوایي.

بسم الله اللهم جنبنا الشيطان وجنب الشيطان مارزقنا: (ترجمه)  
(شروع کوم په نامه دالله □ اياالله □ مور دشيطان څخه ليري که  
اوکوم نعمت چي تامور ته راگری دی دهغه څخه شيطان  
ليري که داروايت په پيروکتابونو او احاديثو کي سته که څوک  
وغواري نوکتلبي سي. فايده: ددي دعاپه برکت سره اولادنيک  
بخت اوشيطان ورڅخه تښتي.

## دکوروالي صحيح وخت :

علاج: فقيه ابواليث په خپل کتاب بستان کي ليکلي دي چي  
دکوروالي دپاره ترټولوښه او غوره وخت دشپي آخري  
حصه ده. ځکه دشپي په اوله حصه کي معده دغذاڅخه ډکه  
وي. دکوروالي په وختکي بايدمخ وقلبي ته نه وي.

## دکوروالي آداب :

علاج: سړی اوبښه بايددکوروالي په وخت کي لڅ نه وي په  
يوشي بايدپټ وي. ځکه چي رسول الله □ فرمايلي دي  
تاسودوحشي حيوانانورنگه ځانونه مه لڅوئ. او فقيه ابواليث  
په خپل کتاب بستان کي ليکلي دي چي په لڅ بدن کوروالي  
څخه اولاد بي حياپيداکيري. حضرت علي رضي الله تعالي  
عنه فرمايلي دي رسول الله □ ته يوسړی راغی داشکایت يی  
وکی چي زماپه کور کي اولاد نه پيداکيري. رسول الله □ ورته  
داعلاج وښودی. چي ته اگی خوره دحضرت ابوهريرة رضي  
الله تعالي عنه څخه روايت دی چي رسول الله □ خپل دمردانه

قوت (قوت باه) شكايت و جبرائيل عليه السلام ته  
 وکينو جبرائيل عليه السلام ورته وفرمايل چي تاسو هر يسه  
 خورئ. ځکه په دې کي دڅلو يښتو څلو طاقته  
 موجود دی. حضرت انس ابن مالک رضي الله تعالي عنه  
 فرمايلي دی چي در رسول الله ﷺ حديث دی چي تاسو نکريزي  
 استعمالوئ ځکه نکريزي مردانه قوت (قوت باه) پيدا کوي. او  
 حضرت هزيل بن حکم رضي الله تعالي عنه فرمايلي دی  
 چي در رسول الله ﷺ حديث دی چي د بدن څخه  
 دور يښتو نو پوستکي ليري کول قوت باه زياتوي. داڅلور  
 حديثونه غايه الاحکام ذکر کړي دی.

## دکور والي په وخت کي خبري کول:

علاج: فقيه ابواليث په خپل کتاب بستان کي ليکلي دي چي  
 دکور والي په وخت کي ډيري خبری مه کوئ داو لاددگونگي  
 پيدا کيدو خطر ده.

## بغير دغسل څخه دکور والي تاون:

علاج: که چاته يوواري احتلام سوي وي او بغير دغسل  
 کولو څخه دوهم ځل د خپلي ښځي سره کور والي وکي  
 نو دا خطر ه سته چي اولاد به بخيل او ياليوني پيداسي. دداسي  
 کړني څخه ځان ساتل پکار دي. دا علاج صاحب احياء په  
 بستان کي ليکلي دی.

## په ولاړي کوروالي کول:

علاج: صاحب فقيه ليکلي دي چي په ولاړي سره د کوروالي څخه د بدن ضعف او کمزري پېښيري. او په ډک نس کوروالي کول مناسب نه دي ځکه اولادکم عقل پيدا کيري.

## دمياشتي په نيمايي کي کوروالي کول:

علاج: ابونعيم په کتاب الطب کي ليکلي دي چي رسول الله ﷺ حضرت علي رضي الله تعالي عنه ته فرمايلي وه چي اي علي رضي الله تعالي عنه دمياشتي په نمائي (پنځلمه نيټه) کي کور والي مه کوه ځکه په دغه نيټه کي شيطان راځي.

## دکوروالي څخه ورسته بولي کول:

علاج: صاحب شرعة الاسلام ليکلي دي چي دکور والي څخه د فارغ کيدو ورسته بايد بولي وکړل سي کنه نو په لا علاجه ناجوري به اخته سي.

## دکوروالي څخه ورسته استنجا وهل:

علاج: فقيه ابوليث ليکلي دي چي دکوروالي څخه ورسته خپل اندام مخصوصه پرې منځل ضروري دي ځکه بدن ته طاقت ورکوي. خودکوروالي څخه متصل نه بلکي څه وخت ورسته ولي چي متصل دتبي خطر ه سته.



## دکور والي په وخت کي دبنخي شرمگاه ته کتل

علاج: صاحب شرعة الاسلام ليکلي دي چي دکور والي په وخت کي دبنخي شرمگاه ته مه گوري ځکه چي دا اولاد درنده پيدا کيدو خطر ه ده.

## دکوچني دپيدا کيدو ناجوري اودهغي علاج:

علاج: فتاوي حجت ليکلي دي چي که دکوچني دپيدا کيدلو په وخت کي تکليف وي نو داتعويز دي وليکلي په سپين رنگ توکر کي دي پوښ ورکي اودبنخي په چپه ورانه پوري دي وتري نو انشاء الله دماشوم دزيږيدو په وخت کي به ورته تکليف نه وي تعويز دادي. (بسم الله الرحمن الرحيم وَأَلْقَتْ مَا فِيهَا وَتَخَلَّتْ 4 وَأَذِنْتُ لِرَبِّهَا وَحَقَّتْ أَيْشَاءُ هِيَ) (ترجمه) شروع کوم په نامه دالله ﷻ چي رحمن اورحيم دي اوکله چي محکه راوباسي چي څه پکښي دي اوخالي کرل سي اودخپل رب حکم واورې هغه ددي لائق دی.

## دکوچني په غورکي داذن او اقامت ويلو فايدي:

علاج: کله چي کوچني پيداسي نو دهغه په راسته غور کي دسهار آذان او په چپه غور کي اقامت کول لازمي دي. ددغه آذان او اقامت په برکت سره کوچني دام الصبيان څخه محفوظ او په امن کيږي. په احياء العلوم کي دا علاج ليکلي دی. دحوصن حصين په حاشيه کي دامضمون ديوه حديث مرفوع څخه ثابت سوي دي.

## خرماژول اودکوچني په خله کي ورکول:

علاج: دکوچني دپيدا کيدولې وروسته دې لږخرماژول سي اودکوچني په خله کي دې ورکړي. اودکوچني دپاره دي دعاو کي. دبعضي عالمانو دانظر دي چي په دغه علاج سره کوچني دبنه اخلاقو خاوند، حلیم، او بردباره سړی جوړيږي.

## دکوچني نوم په اوومه ورځ ايښودل:

علاج: په حديث شريف کي راغلي دي چي کله کوچني پيداسي نوپه اوومه ورځ بنه او غوره نوم پرکوچني ايښول ضروري دي ځکه رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي دکوچني دپاره بنه نوم انتخاب کئ لکه عبدالله عبدالرحمن بنوم دکوچني دپاره بدفالي (شگون) دی. دکوچني سر وروخړوئ دوريبنتانو دوزن په اندازه چاندي خيرات کئ او يو يادوه پسونه حلال کئ او خيرات يي کئ ددې په برکت سره به کوچني محفوظ سي.

## دبدنظر څخه دحفاظت تعويذ:

علاج: که کوچني نظر سوي وي نو داتعويذ دي وليکل سي اودهغه په غاړه دي سي تعويذ دادي.

اعوذ بکلمات الله التامة ومن كل عين لامة (ترجمه) پناه غواړم الله ﷻ دکلمات تامة په ذريعه دشيطان مردود او دهر بدنظره څخه فايده: دکوچنيانو د نظر کيدو څخه دساتلو دپاره داتعويذ ډير مجرب دي. په حديث شريف کي راغلي دي چي رسول الله ﷻ دغه تعويذ حسن او حسين ته ورپه غاړه کړي وه.

## دکوچنيانوپه اخلاقوباندي دشيديو اثر:

علاج: په تفسير زاهدي کبني ليکلي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي خپل کوچنيان دبدو بنځو دشيديو خورلو څخه وساتي ځکه دشيديو اثر دکوچني په بدن او اخلاقوباندي کيري.

## دخوراک په وخت دشيطان څخه حفاظت:

علاج: کم سړی چي غواړي دخوراک په وخت کي دي دشيطان دشر څخه محفوظه سي نو هغه بايد دبسم الله په ويلوسره په خوراک شروع وکړي. خوراک بايد په راسته لاس سره وکړي. ځکه چي شيطان په چپه لاس سره خوراک څښاکوي. په کوم خوراک چي دالله ﷻ نوم ذکر نه سي نو هغه دشيطان دپاره حلال وي داروايت ابوهريره رضي الله تعالي عنه رانقل کړي دي.

## دمالگي څکلوفايدي:

علاج: صاحب جامع کبير دحضرت علي رضي الله تعالي عنه څخه نقل کوي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي خوراک په مالگه څکلوسره شروع کوي ځکه چي په مالگه کي داوي (۷۰) ناروغيو دپاره شفا اچول سوي ده چي دهغو دجملې څخه يوڅو دادي جذام، ليونتوب، دنس درد، او دغابن دردو غيره والله ﷻ اعلم.

## د ناروغ سره ډوډي خوړل:

علاج: که اتفاقاً یو څوک د ناروغ سره په ډوډي کې ملګري سي نو دادعا دي وائي. بسم الله ثقة بالله و توکل علیه (ترجمه) شروع کوم په نامه د الله □ سره او په ده باندې باور کوم او خوراک کوم. ددې دعا ویلو په برکت سره به د ناروغ د ناروغي څخه په امن سي.

## د خوراک په وخت کې یو څو دعاوي:

د خوراک ورسته دادعا ده (الهم بارک لنافیه و اطعمنا خیراً منه) (ترجمه) اي الله □ ز مور د پاره په دې کې برکت واچوه او ددې څخه به تره راکي. چې شیدي څینو نو دادعا به وایو (الهم بارک لنافیه و ز دنافیه) (ترجمه) اي الله □ ز مور د پاره په دې کې برکت واچوه او ز مور د پاره دازیات کي. انشاء الله □ ددې دعا په ویلو سره په خوراک کې برکت راځي.

## په خوراک کې د برکت پیدا کیدو د پاره:

علاج: فقیه ابوليث د حضرت حسن رضی الله عنه څخه روایت نقل کړي دي چې رسول الله □ فرمایلي دي چې دلوبني د مینځ څخه خوراک مه کوئ ځکه چې په مینځ کې برکت نازیلېږي دا حدیث سعید بن جبیر رضی الله عنه د حضرت عباس رضی الله عنه څخه را نقل کړي دی.

## د بدهضمې مجرب علاج:

علاج: په قادری کې لیکلي دي چې په تکیه و هلو سره خوراک کولو څخه بدهضمې پیدا کېږي. فایده: په بستان کې لیکلي دي

چي ديوډي څخه درمخه اوورسته دلاسوپه پريمخلوسره برکت راځي. درسول الله ﷻ ارشاددي چي زه په تکیه لگولوسره خوراک نه کوم ځکه په تکیه لگولو، ولاړي، په سورلی سپور، دخوراک دخورلوڅخه بدهضمي پيدا کيږي. ددي په خلاف خورلوسره هضم کيږي او تکبر (غت والي) ليري کيږي.

### دغريبي او محتاجي څخه حفاظت:

علاج: صاحب مطالب المومنين دحضرت علي رضی الله عنه څخه نقلکوي چیکه پر چاباندي غسل وي نوبغير غرغري څخه دي خوراک نه کوي ځکه دخوراک په کولوسره دغريبي او محتاجي خطر ده.

### دفرشتو دعاخستل:

علاج: په بستان اونور وکتابونوکي دحضرت جابر بن عبدالله رضی الله عنه څخه روايت دی چي رسول الله ﷻ فرمائي دي چي کم بنده چي لوبني وڅتي اوپاک يی کړي نو هغه لوبنی دده په حق کي دعاکوي چي اي الله ﷻ دغه بنده داورڅخه خلاص کړه څرنگه چي ده زه دشيطان دخټولوڅخه خلاص کړم. رسول الله ﷻ فرمائي دي چي دالله ﷻ مقرري فرشتي دهغه سړي دپاره دعاکوي کم څوک چي دخوراک ورسته گوتي څتي. ددي عمل په کولوسره دتکبر دمرض علاج هم کيږي.

## درزق د فراخي تدبير:

علاج: په عمره الاسلام کي در رسول الله ﷺ ارشاد دی هغه څوک چي هميشه دسترخوان څخه لويديليطعام خورئ نو دهغه رزق به هميشه فراخ وي. د حضرت جابر بن عبدالله رضی الله عنه څخه روايت دی چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چيکه دگولي څخه يوڅه ولويري نو سړی بايد هغه راپورته کي او وي خوری دشيطان دپاره يي نه پريردي. فايده ددي حديث شريف څخه دامعلومه سوه چي دا عمل د تکبر بڼه اوبهتره علاج دی. په بل حديث شريف کي راغلي دي چي څوک دسترخوان څخه لويديلي طعام راپورته کي او وي خوري نو دادجنت دحورودپاره مهر سي. او الله تعالي ﷻ به دی اودده اولادونه د جدام، برص (برگی) اودليونتب دمرضه وساتي.

## دبرکت حاصلولو دپاره عمل:

علاج: په عمره الاحکام کي در رسول الله ﷺ څخه روايت دي چي فرمايلي یی دي اي خلگو په شريکه (جمع واري) خوراک کوي ځکه چي په دي کي الله تعالي ﷻ بركت اچوي. د حضرت جابر رضی الله عنه څخه روايت دی چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي تر ټولو بهتره او خورخوراک او ډوډي هغه ده چي ډير لاسونه پکښي وي (ډير خلگ یی په خورلوکي شامل وي). او در رسول الله ﷺ ارشاد دي چي ډير بدخلگ هغه دي چي يوازي ډوډی خوري، خپلي مينځي وهي، خپله مهرباني بندوي، اونکاح کوي د لاس سره (مت وهي). در رسول الله ﷺ ارشاد دي چي په ډيري (جمع واري سره) خوراک کولوکي شفا ده. په بستان کي ليکلي دي در رسول الله ﷺ ارشاد

دي چي خوراک سړوي اوبيايي خوري ځکه په گرم خوراک کي برکت نه وي. فايده: په بعضي کتابوکي داهم ليکلي دي چي په گرم خوراک خورلوسره معده ضعيفه او کمزوري کيږي.

### دخوراک هضم کولو علاج:

په ابو داودکي دام معبد څخه روايت دی چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي سرکه بهتره کتغ دي اي الله ﷻ په سرکه کي برکت واچوي. فايده: په جامع کبير کي ليکلي دي چي په سرکه کي داحکمت دي چي خوراک هضم کوي. ابن حبان د عطا څخه او د حضرت ابن عباس رضی الله عنه څخه روايت کړي دی چي رسول الله ﷺ ته خوښ په ټوله سبزيو او کتغوکي سرکه وه. اود حضرت جابر بن عبدالله رضی الله عنه څخه روايت دی چي سرکه بهتره کتغ دی. اود رسول الله ﷺ ترکاري (سبزي) هم ډيره خوښه وه. په کنز العباد کي ليکلي دي چي پرکوم سترخوان ترکاري (سبزي) وي نو هلته فرشتي راځي.

### دزړه دطاقت علاج:

علاج: مسروق وائي چي زه يو ځل د حضرت عائشي رضی الله تعالی عنها خواته حاضر سوم ومي ليدل چي دهغي سره نژدي يوروندسري ناست دی او حضرت عائشي رضی الله تعالی عنها د ترنج (ترنج لوني ليمبو ته وايي) يوه تکره دشاتو سره لگوله او په هغه ږوندسري ئي هوارول ما پوښتنه ځني وکړه اي ام المومنين دا څوک دي؟ هغي راته وفرمايل چي داهغه څوک دي چي دده په وجه الله تعالی ﷻ خپل نبي ته په قهر سوي وو (دهغه نوم عبدالله ابن مکتوم رضی الله عنه

وو) ابونعيم داحديث په كتاب الطب كي رانقل كړي  
 دى.فايده:ددي حديث متعلق شارح ليكلي دى چي ترنجبين  
 دعضلو سره په نهاره خوړل زړه اودماغ ته ډيره فايده  
 رسوي.

### دمچ دزهر وڅخه شفاء:

علاج:په نسائي كي دحضرت ابوسعيد خدري رضی الله عنه  
 څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي كه په خوراك  
 كي مچ ولويزي نو هغه ته په دغه خوراك كي غوټه وركئ  
 ځكه ددوي په يوه وزر كي زهر اوپه بل وزر كي شفاء ده  
 عادت يى دادى چي اول دزهر ووزر وركښته كوي داحديث  
 ابوداود دحضرت ابوهريره رضی الله تعالى عنه څخه هم  
 نقلكړل سوي دى.فايده:ددي حديث څخه دامعلومه سوه چي  
 مچ دزهر ووزر اول غوټه كوي نو غوټه ځكه وركئ چي دوهم  
 وزر چي شفاء پكښي ده هغه هم غوټه سي اواعتدال راسي  
 زهر بي اثره پاته سي.

### په خوراك څښاك كي دزهر وڅخه حفاظت:

علاج:په كنز العباد كي ليكلي دي چي كله څوك خوراك  
 څښاك كوي نو دادعادواي ددي په بركت سره به دخوراك  
 څښاك دمضرواثراتو څخه محفوظ پاته كيږي دعاداده

بسم الله خير الاسماء بسم الله رب الارض والسماء بسم الله  
 الذي لا يضر مع اسمه شئ في الارض ولا في السماء  
 وهو السميع العليم(ترجمه) شروع كوم دداسى الله ﷻ په نامه چي  
 دټولونومو څخه لوړدى اوپه داسي نوم سره چي دمخكي



او اسمان مالک دی اوپه داسی نوم سره چې دچاپه برکت سره په اسمان او مخکه کي هیخ شی نقصان نه سي رسولاي او هغه اوریدونکي او علیم دی.

## ددې دعا یوپه زړه پوري قصه:

قصه: روایت دی چې دابومسلم خولانی یوه مینځه وه چې خپل مالکته ئي خوځله زهرورکړي وه لیکن په ده ئي هیخ اثر نه وه کړي ډیر وخت تیر سونومینځي حال ورته ووايه چې ماتاته خوځله زهر درکړه لیکن په تائي هیخ اثر ونه کي داڅه وجه وه مالک پوښتنه ځني وکړه چې تا زهر ولي ماته راکول؟ هغي ورته وویل چې ته سپین ژیری سوي يي اوماته ستا یوازي هډوکي ښه نه ښکاري. مالک ورته وویل چې زه همیشه داپاک کلمات په هر خوراک څښاک باندي وایم بیاخوراک څښاک ځنیکوم ددغه دعا په برکت زه دهر رقم زهر وڅخه محفوظ یم. بیاني مینځه اذاده کړه.

## دهاضمي علاج:

علاج: په ترمیزي او ابوداودکي دحضرت عائشي رضی الله عنهاڅخه روایت دی چې رسول الله ﷺ فرمایلی دي چې غوبنه دخوراک په وخت کي په چاقواوچاره مه پرې کوي. ځکه دادعجمنانوطریقه ده بلکي غوبنه په غابنوپرې کوی اوخوری يي. ځکه په مذکوره طریقه سره ددهضمي څخه ساتل کیر. واپه غابنونوسره میده سوي خوراک ښه هضم کیري.

## دغابن دتکلیف علاج:

علاج: ابونعیم په کتاب الطب کي لیکلي دي چي عبدالله ابن عمر رضی الله عنه ویلي دي چي دغابنوپه نه خلالولوسره غابنونه کمزوریکیري. اوپه بعضي روایاتوکي داهم راغلي دي چي رسول الله ﷺ فرمایلی دي چي دغابنوپه نه خلالولوسره فرشتي جلاکیریاودوي ته تکلیف جوړیري. بل علاج په کتاب الطب کي دقبيصه بن ذویب څخه روایت دیچي رسول الله ﷺ فرمایلی دي چي په آس (حب الاس یوقسم لرگي دی) اوخوشبویه لرگي سره دغابنوخلال مه کوي. ځکه زه دابنه نه گنرم چي تاسوته جذام مرض راسي. فایده: عالمانولیکلي دي چي په لاندي ذکر سوي لرگیوسره غابنونه خلالول مضر اوخطر ناک دي انار، بانس، نلان، او هغه لرگی چي درخته یی میوه کوي لکه امرت، سیب، انحر، اونور. په سرو زرو، چاندي، اوتانبه پیتل اونوروسره هم دغابنوخلالول مناسب نه دي ځکه خله بدبویي ځني پیداکوي. دغابنونودخلال دپاره تر ټولوبهتر اوبنه تریخ لرگی دی.

## په خوراک څښاک کي بي برکتی:

علاج: دحضرت عائشي رضی الله عنهاڅخه روایت دی چي رسول الله ﷺ فرمایلی دي چي دډوډي په پوه کولوسره برکت پورته کیري داروایت په کنز العباد کي رانقل سویدی.

## دلږ خوراک فايدي:

علاج: په کتاب الطب کي ابونعیم لیکلي دي چې رسول الله ﷺ فرمایلی دي چې الله ﷻ تر نس غټ بل لوبني نه دی پیداکړي انسان باید هغه درې حصې کي یوه حصه دخوراک دپاره دوهمه دابودپاره اودریمه دساه اخستلو دپاره پریردي. فايده: ددې حديث شريف څخه دامعلومه سوه چې که دچا خوراک درې پاوه وي نو هغه لره پکار ده چې یو پاو خوراک وکړي. ددې لپاره چې صحت یی روغ جوړوي دکم خوراک ډیري فايدي دي. چې یو څوی دلته ذکر کوم صحت یی جوړوي، حافظه او عقل یی تیز وي، در ضرورت زیات خوب نه ورځي، ساه په اساني سره اخلي، په لمانځه کي سسپاو خوبغلبه نه باندی کوي.

## ډیر خوراک تاوانونه:

علاج: د ډیر خوراک څخه ډیرینا جوړي پیداکړي مثلاً بد هضمي، هیضه ځکه خود رسول الله ﷺ د تیغونو څخه ډیر نفرت کوي. او فرمایل به یی چې دمره ډیر خوراک ولي کوی. دوهم تاوان د ډیر خوراک دادي چې په عبادت کي یی خوند نه وي. او اولاد یی نااهله پیداکړي او نااهله دالله ﷻ د طرفه اود حکمت دخبرو څخه محروم وي. مطالعي ته شوق نه وي په داسي نااهله کسانو کي مهرباني نه وي او ټول خلگ دځان په رقم لوي نسي گني. نیکان خلگ دلمانځه دپاره مسجد ته ځي اودی قضایي حاجت دپاره صحرا گنبت ته روان وي.

## دخاوري خورلوتاوانونه:

علاج: په كتاب الطب كي ابونعيم ليكلي دي چي دحضرت ابوهريره رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي كوم څوك خاوري خورئ گوياهغه سري ځان وژنه كوي. په جامع كبير كي دحضرت عائشي رضی الله عنها څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي اي عائشي تاسوخاوره هيڅكله مه خورئ ځكه چي دادرې تاوانونه لري اول هميشه ناجوري دوهم نس هميشه خراب وي دريم دانسان رنگ هميشه ژړوي.

## دغوبني خورلوفايدي:

علاج: په كتاب الطب كي ابونعيم ليكلي دي چي دحضرت ابوهريره رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي غوبنه دتولوكتغونو(اشپزيو) سرداره اومشره ده په دنياواو آخرتكي په كتاب الطب كي ابونعيم ليكلي دي چي حضرت علي رضی الله عنه فرمايلي دي چي اي خلكو غوبنه خوښه كړي او غوبنه ښه خورئ ځكه چي دغوبني په خوراك سره حلق سميري رنگ صاف معلوميري خيټه كوچني كيږي. حضرت علي رضی الله عنه فرمايلي دي چي څوك درڅلوينستوورڅوپوري غوبنه ونه خورئ حلق يې لوی كيږي. په كتاب الطب كي ابونعيم ليكلي دي چي دحضرت ابوهريره رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي دغوبنيخورلوپهوخت كي زړه ته آرام رسيري.

## دبدن دکمزوري علاج:

علاج: ابونعیم لیکلي دي یو وخت رسول الله ﷺ و الله ﷻ ته دبدن دکمزوري شکایت وکئ په جواب کي ورته وویل سوه چي په شیدو کي غوښنه پخوه او خوره یی.

## دانخر فایدي:

علاج: په جامع کبیر کي لیکلي دي چي رسول الله ﷺ فرمایلي دي چي دانخر په خور لوسره سری دقولج دناجوري څخه محفوظ کیري. فایده: علما و لیکلي دي چي دانخر وډیر فایدي دي مثلاً لطیف او ژر هضم کونکي دي. په طبیعت کي نرمي پیدا کوي. دبدن څخه سودا دخولي دلاري باسي. په بعضي احادیثو کي راغلي دي چي انخر خورئ ځکه انخر دبواسیرو دپاره مفیددی. او په درد لقرس کي ډیر فایده مند دي. امام علي رضا فرمائي دي چي دانخر و خوراک دخلي بدبوئي لیري کوي. دسر ورینستان او رده وي. دقولنج ناجوري دپاره فایده مند دي.

## دزیتون او دزیتون دغور و فایدي:

علاج: ابونعیم په کتاب الطب کي لیکلي دي چي رسول الله ﷺ و فرمائل اي علي رضي الله عنه زیتون خوره. او په غورويي بدن غوره ځکه چي کوم سري چي دزیتون په غور و خان غور کي در څلو یښتو ورڅو پوري شیطان نه ورته راځي. فایده: علما و لیکلي دي چي په زیتون کي الله ﷻ رنگ

رنگ خاصيتونه اوفايدي ايښي دي که دزيتون اچار په سرکه کي واچول سي او اوخوړل سي نومعده قويکوي اشتهازياته وي. دانسان بدن قوي کوي. قوت باه زياته وي که دزيتون مغز په اوړو او وازگه کي گډکړه سي اودبرگي په حاي ومزل سي نوانشاءالله برگي به ليري سي. که بنځه دزيتون شيره په بدن کي کيردي نوسيلان به ئي بندسي. دقونج ناجوري دپاره هم فايده منددی. که څوک دزيتون په غوروسر غوروي نو غاښونه به ئي ټينگ او مضبوطه وي. دلرم دنښ و هلوپر حاي باندی په مبلوسره دستي يخوالي راخي (دردبڼه کيري). دزيتون غوري ورينستان توره وي قبض ليري کوي. دزيتون په غوروسر غورول دسر درد ختموي.

### ترديره وخته پوري دخوان پاته کيدو علاج:

علاج: ابونعيم دحضرت انس رضی الله عنه څخه روايت نقل کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي اي خلگودشپي خوراک ضروري کوي ځکه دشپي دخوراک په پريښودلوسره ډير ژرسری زريري. فايده: مطلب داچي دشپي خوراک دهميش دپاره پريښودل مضر دي. دشپي دومره خوراک بايدوسي چي هضم کړه سي.

### دخرمافايدي:

علاج: ابونعيم دحضرت ابوبکر صديق رضی الله عنه څخه روايت کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي په خرماکي ترټولو بهتړه خرما برني خرما ده. ځکه چي دادنس څخه ناجوري راباسي. او په دې کي هيڅ ناجوري نسته. فايده: دبرني خرما ډير رقمونه دي يوئي دادي چي هغه

کوچني وي مندکي ئي هم کوچني وي اودادیوه طرفه غته اودبل طرفه نری وي.

### دجادووز هرو علاج:

علاج: ابن حبان او ابونعیم دابن عباس رضی الله عنه څخه روایت کړي دي چي درسول الله ﷺ عجوه خرماډیره خوبنه وه. دده ارشاددي چي عجوه خرماډجنت څخه ده. فرمایلي ئي دي چي په خرماکي دز هروڅخه شفاء ده. حدیث شریف دي چي څوک هر سهار اووه خرماوي خوري هغه به په دغه ورځ کي دز هرو او جادوڅخه محفوظ وي. په بعضي احادیثو کي راغلي دي چي عجوه دجنت څخه ده. او په دې کي دناجوړیوڅخه شفاء ده.

### ددماغ دطاقت پیدا کولو دپاره علاج:

علاج: ابونعیم دواثله بن الاسقع څخه روایت کړي دی چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي اي خلگو کډوزيات خوري ځکه چي کډودماغ ته طاقت ورکوي. عائشي رضی الله عنها فرمائي دي چي درسول الله ﷺ ارشاددي چي اي عائشي کله چي ته کتغ کوي نو کډوډیگ ته وراچوه. ځکه چي داوه پریشانه زړه ته طاقت ورکوي. فايده: راز په دې کي دادي چي دغوبني حرارت ليري کوي او اعتدال پیدا کوي.

## دزیره اودماغ دکمزوري علاج:

علاج: ابونعیم دحضرت ابن عباس څخه روایت کړي دی چې در رسول الله ﷺ درتولوخوښ خوراک ثرید وو. فایده: ډوډي په بنورواکي میده کولوته ثرید وائي. علماوولیکلي دي چې داخوراک دماغ اوزیره ته طاقت ورکوي. ژر هضم کيږي. یوسیر خرماچي لنده سي اوسربیره لږکوچي ورباندي واچول سي دپته هم ثریدوائي. دحضرت ابن عباس رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړل سوي دی چې در رسول الله ﷺ ثرید ډیر خوښ وو.

## دمعدي دبخار علاج:

علاج: ابونعیم د عبدالله بن جعفر څخه روایت کړي دی چې مارسول الله ﷺ ولیدي چې ختکی ئي دخرماسره خوړئې فایده: علماوولیکلي دي چې ددې په خوړلوسره دمعدي خيري ليري کيږي. ژر هضم کيږي. دختکي یخوالي اودخرماگرم والي چې سره یوځاي سي نواعندال پیداکړي. خرمامردانه طاقت زیاتوي. په بدن کي وینه زیاته وي. پښتورگي صفاکوي. دبلغم اویخ څخه پیداکیدونکي ناجوړیودپاره دخرمماخوراک ډیر مفیددي. که خرمداخواره شي سره په اندازه وخوړل سي دمثاني ډډېرودپاره فایده رسوي. بادرنګ دبولودبندیدودپاره ډیر مفید شي دي. دده په خوراک سره بولي ډیريري. په طبیعت کي نرمي راځي. صفراوي مزاجه کسانودپاره دده خوراک ډیر مفید دي. ختکي وینه اوصفراء دحرارت خواته بیائي. داربری بددپاره



ڊير مفيددي. تنده ختموي. ڊبولو بنديدو د مٿاني ڊڊبر و ڊپاره هم ڊير مفيددي. ڊپريشاني او خارش ڊپاره هم فايده رسوي.

## د دماغو دخشکي او دخارش علاج:

علاج: ابو حاتم د حضرت عائشي رضی الله عنها څخه روايت کړي دي چي رسول الله ﷺ به بادرنگ د خرما سره يوځاي خوري فرمائيل به ئي د خرما گرم والي د بادرنگ خنکوالي اعتدال پيدا کوي. فايده: ددي حديث شريف څخه معلومه سوه چي بادرنگ خنک او تردي. نو ځکه د صفر او ي اوسوداوي مزاج کسانوته ڊير فايده منددي. په دماغو کي رطوبت پيدا کوي. بندي بولي خلاصوي. د مٿاني ڊبريليري کوي.

## د قوت باه ڊير والي:

علاج: ابونعيم په کتاب الطب کي ليکلي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي زما خرما د کوچوسره ڊيره خوښه ده. فايده: علما و ليکلي دي چي ددي خوراک قوت باه ڊيرو وي. بدن غټوي. کوچي او عسل چي سره گډسي او وخرل سي د ذات الجنب (د بعل درد) ڊپاره ڊير مفيد دي. جسم بدن غټوي.

## دويني د صافولو علاج:

علاج: صاحب شرعة الاسلام يو حديث رانقل کړي دي چي په هر انار کښي يو څاڅکي د جنت دابو سته. فايده: په انار کي ڊير فايدي دي مثلاً وينه صافه وي. خرابه وينه باسي. مردانه قوت ڊيرو وي. د زړه اشناووره کوي. املونه دروي. در ډوي.

ورسته خوراک ئي ژر هضميه راولي. په ځيگرکي طاقت پيدا کوي. پريشاني ليري کوي. آواز صفا کوي. بدن غټوي. رنگ ښه کوي. ډير خوراک ئي معده کمزوري کوي. تريخ انار دمعدبگرمي ورکوي. دوني جوش زياتوي. دماغ ته دمعدبخار نه پريزيدي. گرمي ليري کوي.

### دنس درطوبت او ډير وناجوړيو علاج:

علاج: ابونعيم دحضرت بن مالک څخه روايت کړي دی چې رسول الله ﷺ به بادرنگ دمالگي سره يوځاي خوړئ. فايده: حکيمانوليکلي دي چې په بادرنگ کي رطوبت وي او مالگه رطوبت ختموي ددې څخه علاوه دمالگي نوري هم ډيري فايدي دي. مالگه دبلغم او دصفر اءمسهل دي. خوراک هضم کوي. رنگ ښه کوي. يخوالي معتدل کوي. دخوراک ورسته څکل ئي بدهضمي ليري کوي. دجذام ناجوړي دپاره هم مفيد دي.

### دويني دصفاکيدو علاج:

علاج: دمعاويه بن زبير رضی الله عنه څخه ابونعيم روايت کړي دي چې د رسول الله ﷺ په ميووکي انگور ډير خوش وه. فايده: علماووليکلي دي چې په دې کي حکمت دادی چې انگور وينه صفا کوي. بدن غټوي. په پښتورگي باندي وازگه ډيره وي. سوداوي مادي له منځه وړي او خارج کوي ئي. دسوځلي ځاي دپاره ډير مفيد دي.

## دقوت باه علاج:

علاج: ابونعيم دحضرت عبدالله بن جعفر رضی الله عنه څخه روايت کړي دي چې د رسول الله ﷺ ارشاددي چي دپسه غوښه تر ټولو غوښو بهتره ده. فايده: علماو وليکلي دي چي په دې کي حکمت دادی چي ددې غوښي په خوړلوسره مردانه قوت ډيريزي. ژر هضم کيږي. په سينه کي طاقت پيدا کوي. دملا ددر ددياره فايده رسوي.

## په پوڅکي باندي دستر گودنا جوړيو علاج:

علاج: په جامع کبير کي دحضرت علي رضی الله عنه څخه روايت دي چي د رسول الله ﷺ ارشاددي چي په پوڅکي کي دستر گودنا جوړيو ددياره شفاءسته. ابونعيم دحضرت انس بن مالک رضی الله عنه څخه روايت کړي دي چي د رسول الله ﷺ ارشاددي چي کله جنت وځنډل نو پوڅکي ځني پيداسوه او کله چي مخکي وځنډل نو ځزانه ځني پيداسول. پوڅکي يوسپين قسم نباتات دی چي په پسرلي کي راشين کيږي او په کنځلوکي خوړل کيږي فايده: علماو وليکلي دي چي پوڅکي درې قسمه دی. اول مويزي چي تور رنگ لري په دې کي زهر وي. دابايدونه خوړل سي. دويم قسم سپين وي خودسوروالي وخواته مائل وي ددې استعمال هم ښه دي. ددې اوبه دستر گودپاره ډيري مفيدي دي. که دچاپه سترگوکي سپين والي وي نو ددې په اوبوپه يوڅوورځي استعمالولوسره به ناجوري ورکه سي. ددې په استعمال سره دستر گونظر تيزيزي. بعضبعلماو وليکلي دي چي که دگرمي دسببه سترگي خوړسوي وي نو يوازي دادواکافي نه ده

بایدنور و دوا و وسره یوځای سی نوډیره فایده به وکړی. د بعضی حاکمانور ایه داده چیکه د یخ د سببه سترگی خورسوي وي نو ددی په اوبوسره دي رانجه لاندې کي څلویښت ورځي ورسته دي میده کي او استعمال دي کي. دیلمی ویلي دي چي ماددي تجربه داسي کړي ده چي دیوي منځي سترگی خورسوي وي ټول طبيبان ئي د علاج څخه ناامیده سوي وه نو مادر سول الله ﷺ د حدیث مطابق څو ورځي دهغي په سترگوکي دپوځکی اوبه ورواچولي دخدای په فضل ددی سترگی جوړي سوي. ابونعیم ویلي دي چي ټوله طبيبان په دي متفق دي چي پوځکی سترگی سوځوي مگر دهغه سترگو دپاره چي دگرمي یا یخ دکبله خوريزي.

### دپوځکی نور خاصیتونه:

پوځکی چي وچه کرل سي او میده کړه سي نو دأمل دپاره مجربه دوا ده. که دسرکي سره گډکړه سي او پر نو باندې وټرل سي نوځای ته راولي. ډیر خورل يي اولاد بندوي. سختي مادي په بدن کي پیدا کوي او ددی ډیر والي په بدن کي غوتي (سډي) پیدا کوي. ډیر استعمال څخه ئي قولنج، دمعدې درد، او فلج رنگه خطرناکي ناجوړي پیدا کړي.

### دسترگو دخوروالي اودر د علاج:

علاج: ابن سینا په خپل کتاب حاکم په مستدرک او صاحب حصن حصین لیکلي دي چي که دچاسترگه خورسي نو داد عادي وائي انشاء الله صحت به پیدا کي. د عا داده.

الهم متعني ببصري واجعله الوارث مني وارني في  
العدوثاري وانصرني علي من ظلمني. ای الله □ زماستر گوته  
فايده ورکړه اورنایی قائمه وساته اودوي زماوارثاني  
وگرځوه اوددبمن مقابله زمابده راکئ دظالم خلاف  
زماکومک وکي.

## دسترگوڅخه دغبار ليري کولو اونظر تيزيدودپاره علاج:

علاج: علماووليکلي دي چي دچاپه سترگوکي گرځ غباروي  
هغه ته پکارده چي دهر لمانځه څخه ورسته دي داايات  
شريف وائي اوپه سترگودي دم کوي آيات شريف دادي.

فَكَشَفْنَا عَنْكَ غِطَاءَكَ فَبَصَرُكَ الْيَوْمَ حَدِيدٌ (ترجمه) بس ليري  
کړه مورستاڅخه پرده پس دنن څخه به ستادسترگونظر تيز  
وي.

## دکمزورئ اومردانه قوت دحرکت دپاره:

علاج: په ترمذي وغيره کي دام منذرڅخه روايت دي چي يوه  
ورځ رسول الله □ دحضرت علي رضی الله عنه سره  
زماخواته تشريف راوري په دغه وخت کي دخرماوري  
څریدلي رسول الله □ ددي خرماوڅخه يوڅوداني خوړلي  
اووئي فرمائلي اي علي رضی الله عنه ته کمزوري ئی دامه  
خوره. ام منذرويلي دي چي ددي ورسته ماجغندر خوړي  
نورسول الله □ وعلي رضی الله عنه ته وفرمائلي چي ددي  
څخه خوراک وکه ځکه داستادپاره مفيددي. فايده: علماووليکلي  
دي چي په دغه ورځو کي دعلي رضی الله عنه سترگي

خوږوي دچاچي سترگي خوږوي نودهغه دپاره دخرماخوړل  
تاواني دي. ځکه رسول الله ﷺ حضرت علي رضی الله عنه د  
خرمادخوراک څخه منع کړي. اوکله چي دده حضورته  
جغندرپيش کړه سوه نورسول الله ﷺ ورته وفرمائيل چي ته دغه  
خوره ستادپاره دامفيددي اوستاکمزوري ليري کوي. ددي  
حديث شريف څخه دامعلومه سوه چي دجغندريه خوړلوسره  
دبدن کمزوري ليري کيري ځکه خوعلماوولیکلي دي چي  
جغندرمدعي سوزش ختم کوي. گرمي ليري کوي. په بدن کي  
غوتي خلاصوي. بلغم راباسي. رعشه (گوزن) ناجوري دپاره  
هم ښه دي. کمزوري ليري کوي. په قوت باه کي حرکت  
پيداکوي.

### دخوړ سترگو علاج:

علاج: په جامع الكبير کي دحضرت ام سلمة رضی الله عنها  
څخه روايت دي چي کله به دکومي بي بي سترگي خوړ  
سوي نورسول الله ﷺ به ورسره نزيکت (جماع) نه کول  
ترڅوچي به هغه جوړه سوي نه واي. فايده: ددي حديث شريف  
څخه دامعلومه سوه چي دسترگودناروغي په وخت کي  
نزيکت کول ناروغي زياتوي.

### دنظر دتيزيدو علاج:

علاج: په جامع الكبير کي دحضرت عائشي رضی الله عنها  
څخه روايت دي چي درسول الله ﷺ په رنگونو کي شين رنگ  
پير خوښ وو. په يوه حديث شريف کي راغلي دي چي شين  
رنگ اوروانواوبوته کتل دسترگونظر تيزوي. فايده: په بعضي  
کتابوکي ليکلي دي چي که په گرمي کي څوک دشين رنگ

عينكي استعمال كي نونظر يی تيزيري.خوپه يخ كي  
بياتواني دي.

## دعام جسمانی طاقت او قوت باه علاج:

علاج:په بعضي رواياتوكي دحضرت عائشي رضی الله عنها  
خُخه روايت دي چي درسول الله ﷺ حيس ډير خوښ  
وو.فايده:حيس ددرو شيانو ديوځاي كيدوځخه جوړيري  
خرما،كوچي،اومستي.ددي په خوړلوسره بدن مضبوطه  
كيري.اوپه قوت باه كي زياتوالي راځي.

## په سبزي جاتوسره دناروغي علاج:

علاج:په جامع كبيركي دحضرت ابوامامه رضی الله عنه  
خُخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي خپل  
سترخوان په سبزي جاتوسره بنائسته كړئ.خُخه سبزي جات  
دالله ﷻ دنوم په برکت سره شيطان ليري  
كوي.فايده:علماوليكي دي چي شنه شيان لكه  
اوره،پياز،مولئ،اوگندنابدوي لرونكي مرادنه دي.خُخه  
داشيان درسول الله ﷻ خوښ نه وو.بلكه مرادخني نانا،ترتيزك  
اونوردي.خُخه ناناخوراك هضم كوي.خوشحاله ونكي  
ده.تيغونه راولي.دمعدي خُخه بادونه باسي.معهده قوي  
كوي.تينگه وينه نرموي.دنس چنجی وژني.قوت باه  
زياتوي.په ترتيزك اوساك سره بولي بنه جاري كيري.دتي  
وركونكي دپاره شيدې پيداكوي.دمثابډيري باسي.مني  
پيداكوي.په قوت باه كي حركت پيداكوي په نهاره خوراك  
ئى دتخرگودبوي دپاره مفيد دي.تخم چي يی دهگى دژروسره

گدسي او خوړل سي دمردانه طاقت دپاره ډيره مجربه دواده. دسپينو او توروداغودپاره ئي مېنل ډيرفايده رسوي.

### په شيدوسره جسماني طاقت پيداكول:

علاج: ابونعيم دحضرت ابن عباس رضی الله عنه څخه روايت كړي دي چي دڅښلوپه شيانو كې رسول الله ﷺ ته شيدې ډيري قدرمني وي. علماووليكلي دي چي په شيدوكي لاندي خصوصيات سته. قوت باه پيداكوي. د بدن خشكي ليري كوي. مني پيداكوي. په مخ كې سرخي پيداكوي. فضلات د بدن څخه ليري كوي. دماغ ته طاقت ورکوي. په طبيعت كې نرمي پيداكوي. په دماغ كې تيزي پيداكوي كه دجهاز مغز سره يوځاي سي بدن ته قوت ورکوي. ډير استعمال ئي په سترگو كې گردغبار پيداكوي. هميشه خوراك ئي په معده كې بادونه پيداكوي. د بدن نو در دجلاكوې.

### د عسلو خاصيتونه او دهر ي ناروغي څخه شفاء:

علاج: ابونعيم دحضرت عائشي رضي الله عنها څخه روايت كړي دي چي درسول الله ﷺ عسل ډير خوښ وو. فايده: درسول الله ﷺ عسل ځكه ډير خوښ وو چي الله ﷻ فرمائي دي چي په دې كې شفاء ده. او حكمانو د عسلو بې شماره فايدي بيان كړي دي. مثلاً سهار په نهاره سره خوراك ئي بلغم ليري كوي. معده صفاكوي. فضلات ليري كوي. د بدن غوتي خلاصوي. معده په اعتدال راولي. دماغ ته طاقت ورکوي. دشاشه بندي دپاره مفيد دي. لوړه ډيره وي. دمثاني درد دپاره فايده رسوي. قوت باه زياتوي. د عسلو نوري هم ډيري درحدوتلي فايدي دي.



## د نس د درد اودهاضمي علاج:

علاج: ابونعیم په کتاب الطب کي د حضرت ابوهریر هرزي الله عنه څخه روایت کړي دي چي مادنس د درد څخه په مسجدکي څنگ وهلی وو چي رسول الله ﷺ تشریف راوړی پوښتنه ئې راڅخه وکړه چي ته ناجوړی یی؟ ماورته وویل هویارسول الله ﷺ نورسول الله ﷺ راته وفرمائل چي ولاړسه لمونځ وکړه ځکه چي په لمانځه کي شفاءده په بعضي احادیثوکي د حضرت عائشي رضي الله عنها څخه روایت دي چي دالله ﷻ په ذکر (لمونځ) کولوسره خوراک هضم کيږي اودخوراک کولوڅخه ورسته دستي مه بيدیږی. په دستي خوب کولوسره زړه زنگ پیداکوي. ددې حدیث څخه معلومه سوه چي دالله ﷻ ذکر (لمونځ) ددین اودنیادواړودپاره فایده منددي.

## دکنځلو (تل) خاصیتونه اودناجوړیو علاج:

علاج: ابونعیم د حضرت انس رضي الله عنه څخه روایت کړي دي چي حضرت سعدبن معاذ رضي الله عنه درسول الله ﷺ حضورته کنځلي اوخرماوړاندي کړهنورسول الله ﷻ یوڅخه وخوړل ورسته ئې ددوي دپاره دعاوکره فایده: علماوولیکلي دي چي په دې کي حکمت دادی چي دخرماسره سوداوي مواد په بدن کي پیداکيږي اوکنځلي دامادي دمنځه وړي اوخرماغوتي پیداکوي اوکنځلي ئې دمنځه وړي په دې وجه رسول الله ﷻ سره یوځاي کړي اووئي خوړلي ددې دپاره چي غدامعتدله سي. دکنځلونور خصوصیات دادی چي دحلق څخه خشونت ليري کوي. اواز صافه

وي. رگونه نرموي. چرک ليري کوي. په پښتورگوباندي  
 وازگه پيدا کوي. دکنځلو شيره دمصر يوسره يوځاي کول  
 اوخوړل دمعدې گرمي ليري کوي.

## په اوبوسره دتبي علاج:

علاج: صاحب سفر السعادة ليکلي دي چي تبه ددوړخ دتوبښ  
 څخه ده ځکه نو تاسو دتبي ناروغ په اوبوسره يخوئ. په يوه بل  
 حديث کي راغلي دي چي دچاتبي کيري نودري ورځي سهار  
 وختي دي ولمبيري. امام احمد بن حنبل په خپل مستدرک کي  
 روايت کړي دي چي کله به در رسول الله ﷺ تبه سوه  
 نوداوبولوبښي به ئي راوغوښتي اوپه جسم مبارک باندي به  
 ئي اوبه پاشلي. امام ترمذي حديث رانقل کړي دي چي تبه  
 داوريوه تکره ده نوددي کبله داپه يخواوبوسره مړه کوي. ښه  
 اوغوره طريقه داده چي په واله کي دبهيډلوخواته  
 دلمرراختلوڅخه درمخه کښيني اودادعاوواني بسم الله اله  
 اشف عبدک وصدق رسولک (ترجمه) شروع کوم په نامه  
 دالله ﷻ سره چي يالله ﷻ خپل بنده ته شفاء ورکړي اوخپل رسول  
 رښتني کړي. اوددردروځوپوري دي داعمل وکړي هره  
 ورځ دي دري دري غوتي ووهي. که ناجوري ښه سوه خوبښه  
 ده که نه پنځه، اووه، يانهه ورځي دي داعمل وکړي. انشاء الله  
 دنهه ورځوپوره کيدومخکي به ناجوري جوړه  
 سي. فايده: بعضي عالمانوليکلي دي چي داعلاج دهغه چادپاره  
 خاص دي چي دلمر دحرارت يادگرم شي دخورلويادسترياله  
 کبله تبه ورپيښه سوي وي. که تبه دبلغمو دکبله وي بياني  
 علاج هيڅ کله دانه دي لکه څرنگه چي شکمن سړي ته قران  
 کريم فايده نه سي رسولی. څوک چي داعقيده ولري چي

دادر رسول الله ﷺ حديث دي اودهغه په برکت سره الله ﷻ شفاء ورکوي نوهغه ته به ضرور شفاء ورکړل سي انشاءالله.

## دامل بندول او غسل:

علاج: بخاري اومسلم حديث شريف رانقل کړي دي چي يوسړی رسول الله ﷺ ته راغلي چي زما دوروراملونه کيږي رسول الله ﷺ ورته وفرمائل چي ولاړسه اوهغه ته غسل ورکه هغه سړی بياراغي اوعرض ئي وکړي چي يارسول الله ﷺ په دي علاج سره ئي املونه نورهم ډير سوهر رسول الله ﷺ ورته وفرمائل چي ولاړسه اوبياپه هغه غسل وخوره دغه رنگه دغه سړي دوه درې واره راغي ورسته رسول الله ﷺ ورته وفرمائل چي الله ﷻ رښتونی دي اوستادورورنس درواغندي په بعضي رواياتوکي راغلي دي چي داسړی ولاړي اودوهم وار ئي غسل ورکړه نوډده ورور جورسو. فايده: رسول الله ﷻ چي وفرمائل چي الله ﷻ رښتوني دي اوستادورورخپته درواغجنه ده نوډدي مطلب دادي چي رسول الله ﷻ ته دوحی په ذريعه معلومه سوه چي ددغه سړي په نس کي يوخرابه ماده جمع سوی وه نودهغه خارجول داملوپه ذريعه ضروري وو. او غسل امل ورکونکي دي ځکه رسول الله ﷻ په دي طريقه سره دهغه کس علاج وکړي.

## دجوز اوپنير خاصيتونه:

علاج: په تنزيه الشريعت کي دحضرت ابن عباس رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمائل دي چي

جوز هم بيماري ده او پڼير هم ليکن چي کله دادواره شيان دنس څخه ووزي نونس جوړسي. فايده: په دې حديث شريف کي که څه هم بعضي عالمانو خبري کړي دي خوارشاد دطب مطابق دي. ځکه چي پڼير په دويمه درجه کي تر اوڅنک دي او جوز په دوهمه درجه کي گرم او وچ دي چي دادواره سره يوځاي سي نواعتال پيدا کوي او دواره يودبل مصلح هم دي.

### دشونځو صيات او دناجوړيو علاج:

علاج: ابونعيم دحضرت ابوسعيدرضي الله عنه څخه روايت دي چي دروم باشاه ورسول الله ﷺ ته دشونځو مرّبه دتحفي په شکل په يوه لوبڼي کي راوليرل نو رسول الله ﷺ دهغي څخه يوڅه وخورل. فايده ددې حديث څخه دامعلومه سوه چي دبدن دصحت او قوت دپاره معجونات او کشتي استعمالول په شريعت مطره کي منع نه دي. دشونځو مرّبه لوړه راولي. خواره هضم کوي. خواگرځي ورکوي. دبدن سستي ليري کوي. بادوته حرکت ورکوي. حافظه زياتوي. غليظي مادي دبدن څخه باسي.

### ترډيره وخته بدن جوړساتل:

علاج: ابوالليث خپل بستان کي ليکلي دي چي حضرت علي رضي الله عنه فرمائي دي چي کم سري داتمنالري چي دده بدن دي درډيره وخته پوري جوړروغ وي نو ده لره پکارده

چي دسهار اوماننام ډوډي خوري اودپورڅخه خلاص وي اولڅي پښي دي نه گرځي اودبځي سره دي جماع لږکوي.

### داستسقاء (وبا) علاج اودري قسمونه:

علاج: په صحيح البخاري کي راغلي دي چي ددي ناجوري دپاره رسول الله ﷺ څه کسانوته داوښن بولي اوداوښن شيدي يوځاي ورکړي دي چي په دي علاج سره هغه جور سوه داو اقعته دلته داوردوالي دکبله نه رانقل کووکه ئي څوک کتل غواړي نوپه بخاري شريف کي دي وگورئ. فايده: شيخ الرئيس په قانون کي ليکلي دي چي داوښي شيدي اوداوښن بولي چي يوځاي کړه سي نودوبامرض دپاره ډير مفيد دي دوبامرض دري ډوله دي يوبرقي، دويم لمحي، اودريم طبلي برقي هغه ته وائي چي داو بودږي په رقم اواز کوي. اولمحي هغه دي چي په بدن باندي نور اځي. اوطبلي هغه دي چي په خيټه کي ددری په رقم اوازوي.

### داوښي په شيدو اوبولوسره دلمحي علاج:

حقير په بعضي کتابوکي ليدلي دي چي کوم خلگوچي دا استعمال کړي وه يعني چاته چي رسول الله ﷺ دا علاج بنولي وودهغوي ناجوري لمحي وه.

### دزخم وينه بندول:

علاج: په سفر السعادة کي ليکلي دي چي په جنگ احد کي چي رسول الله ﷺ داس څخه راوويدي په سر ئي جنگي خولۍ وه دهغي کړه در رسول الله ﷺ په مخ مبارک ننوتلي وه چي

يوصحابي په خپلو غاښوسره نيولي وه اوراوه ئي کښل چي  
 در رسول الله ﷺ غاښونه مبارکان هم شهيدان سوي وه ورسته  
 در رسول الله ﷺ وینه نه بنديدله حضرت فاطمي رضی الله  
 عنهاه پريمنخل اوحضرت علي رضی الله عنه به اوبه  
 وراچولي ورسته فاطمي رضی الله عنها فرمان مطابق  
 دپوري يوه توتيه وسوخل اودغه زخم ئي ډک کړي وینه  
 دستي ودریدل.

### دسر درد او دخرابي ويني علاج:

علاج: په بخاري او مسلم کي ددي حديث مضمون دي چي  
 رسول الله ﷺ په خپلو دواړو اوږو باندې وینه کښلي ده په بعضي  
 رواياتو کي راغلي دي چي په سرکي ئي وینه کښلي ده په  
 بعضي رواياتو کي دنيم سرد ذکر دي. په بعضي رواياتو کي  
 راغلي دي چي وینه کښل دردواکولو بهتر دي. رسول  
 الله ﷺ فرمائي دي چي په شپه دمعراج دپوي فرستي سره  
 تيريدم هغي راته وويل اي محمده ﷺ خپل امت ته دويني  
 کښلوا مر وکه فايده: شيخ عبدالحق محدث ليکلي دي چي مقصد  
 ددغه حاي خخه وینه ايستل دي که درگ په ذريعه وي که  
 دچينسي بنکر لگولو په ذريعه وي. ټول طبيبان په دي قائل دي  
 چي دررگ چينسه (بنکر) لگول بهتره دي. دا خبره معلومه سوه  
 چي دوينو په ناجور يوکي وینه ايستل مفيد دي. دنيم سر  
 درد دپاره هم ډير فايده رسوي. دنيم سرد رده شقيقه اودټول  
 سرد رده داء البیضه ويل کيږي. دجالينوس دقول مطابق  
 دڅلويښتو کالو پوري چي دکوم سري دويني کښلو عادت نه وي  
 ددي ورسته دي وینه نه کارئ. په شرعة الاسلام کي راغلي  
 دي چي وینه کښل سنت دي. وینه کښل دهر مرض دپاره

مفيدي. په نهاره وينه كنبلو كي شفاء ده. په پك نس وينه كنبل  
صحت ته تاوان رسوي. په بستان كي ليكلي دي چي په ډير  
يخ كي وينه كنبل بنه نه دي. په شرعة الاسلام كي ليكلي دي  
چي په سر كي وينه كنبل دلاندي اووناجور يودوا ده  
جنون، جذام، برص، دغابنودرد، دسترگو غبار.

### د عرق النساء د درديپاره علاج:

علاج: صاحب سفر السعادة حضرت انس بن مالك رضی الله  
عنه څخه روايت كړي دي چي در رسول الله ﷺ حديث شريف  
دي چي د عرق النساء علاج په عربي سيرلي سره كوي  
طريقه ئي داده چي سيرلي پوخ كوي او څو حصي ئي كوي بيا ئي  
يوه يوه حصه هره ورځ خورئ فايده: د سيرلي دكونا تو د غوښي  
څخه بنور و اجوره كړي دري ورځي په نهاره ئي وچيښئ  
انشاء الله در دبه ورك سي. عرق النساء ديورگ نوم دي چي  
دكونا تو څخه تر بجلي پوري تللي دي. او در د ئي دومره  
شديدي چي در دڅخه ماسوي هرڅه دانسان څخه هيره وي  
ځكه ورته عرق النساء وائي.

### د قبض علاج او د سناء خلاص:

علاج: په سفر السعادة كي ليكلي دي چي رسول الله ﷺ د اسماء  
بنت عميس رضی الله عنها څخه پوښتنه وكړه چي كله به  
تاسوته دامل ضرورت وونو تاسوبه څه شي استعمالوئ؟ هغي

په جواب کي ورته وويل چي شبرم استعمالوم رسول الله ﷺ ورته وويل چي هغه خودپرگرم دي. اسماء رضی الله عنها ورته وويل چي سناء هم استعمالوم رسول الله ﷺ ورته وويل که دمرگ څه دواوائي نو هغه به سناء وای. فايده: په سرزمين حجاز کي يوواښه دي دهغه نوم شبرم دي داواښه په څلورمه درجه گرم دي ددغه دوا استعمال داملونودپاره مفيدنه دي په حديث شريف کي راغلي دي چي اي خلگوسناء خوبسکړی ځکه دادهري ناجوری دواوه ماسوا دمرگ څخه.

### په کلونجي دعاموناجوريو علاج:

علاج: په صحيح مسلم کي دحضرت ابوهريره رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي کلونجي غير دمرگ څخه دهر مرض دواوه. فايده: دجالينوس بيان دي چي کلونجي نفخ اوبادونه ليري کوي. اوددي په خورلوسره دنس چنجان مړه کيري. چي وه اشيري اوخته سي بيايخ سي اووچينيل سي دزکام دپاره مفيددي. که دخشکی په وجه په بدن باندي داني گرمکييالرميکی راوخيجي دکلونجي خوراک ډيره فايده ورته کوي. که په بدن باندي کوچني کوچني داني راوخيجي دکلونجي په مبنولوسره د بدن پوست صفاکيري. که حيض بندوي جاري کوي ئي. په سر باندي مبنولوسره دسر در دختميري. په دانوسر کوي چرک ئي راباسي. په سر که کي خوراک ئي بلغمي نو (ورم) راباسي. دروغن ايرسياسره چي يوځاي کره سي بيا بوئی کرل سي دسر در دليري کوي. ددي خوراک دساه سوځولودپاره ډيره فايده کوي. اودابوپه غره کولوسره دغابنودر دليري کيري. په خوراک سره ئي بولي جاري کيري. په کورکي لکه دسپلني



خوندي دودول ئي غوماشي اومنگورورکوي دکلونجي نورهم  
ډير خصوصيات دي چي در شمار تير دي. کلونجي دار دوزبان  
لفظ دي چي په پښتو کي ورته توره ونجه وائي.

### په کوچنيو ناجور يو دلويو ناجور يو کفار ه:

علاج: صاحب جامع کبير يو حديث رانقل کړی دي چي رسول  
الله ﷺ فرمائي دي چي دخلوروشيانودپاره خلورشيان بي نفعي  
مه گنئ. ۱ دسترگوخوريدل سړی درنديلوڅخه محفوظ  
کوي، ۲ دکام کيدلسړی دبرص دناجوري څخه  
محفوظوي، ۳ توخی سړی دفلج ناجوري څخه  
خلاصوي، ۴ دخرابودانولکه شين جکی راپورته کيدل سړی  
دبرص دناجوري څخه ساتي. فايده: مطلب ددي حديث شريف  
دادي چي کله کله داخلور ناجوري راخي نوتاسوي بدمه گنئ  
ځکه چي ددوي په راتلوسره انسان  
دنوروغتوناجور يوڅخه په امن کيږي.

### جسماني ناروغي اوداوري خاصيتونه:

علاج: امام جالدين سيوطي رح په جمع الجواهر کي دديلمي  
رح څخه يوروايت رانقل کړي دي ديلمی رح دحضرت علي  
رضي الله عنه څخه روايت کوي چي رسول الله ﷺ فرمائي  
دي چي ای خلگو وره خورئ اوپه دي سره علاج کوي ځکه  
چي په دي کي دناجور يوڅخه شفاء سته. فايده: ددي حديث په  
صحت کي اگر که دعلماووډيري خبري دي مگرداطباووپه  
نظرپه اوږه کي ډيري فايدي دي دانوليري کوي. بندحيض  
خلاصوي. بندي بولي خلاصوي. غتي بولي هم خلاصوي که  
بندي وي دمعدې رطوبت وچوي. وينه نرمه وي. دمعدې څخه

بادباسي. آواز صفاکوي. دقولنج ددر داو بادو دپاره مفیده ده. هیره ليري کوي. دتوري دپاره هم مفیده ده. دملا دبادي در دپاره هم ډیره مفیده ده. مني زیاتوي. دگرم مزاجه خلگومني وچوي. دمعدې او دبنو ددر دپاره ډیره مفیده ده. دنس چنجان وژني. په مخ کي سرخي پیدا کوي. دفلج نارو غانو دپاره فایده رسوي. دپوښتورگي ډبري غوڅوي. په اوبوکي چي وه ایشول سی بیا غرغره سید غاښو دتینگی دودپاره ډیره مجربه ده. ډیر خوراک ئي وینه سوڅوي. دمواسیر دپاره ډیره مضره ده. دحاملې ښځي دپاره تاواني ده. په بدن کي صفراء پیدا کوي. دسترگونظر کمزوري کوي. چي په شیدوکی و اچول سی او په دانو پوریکرل سي ډیره فایده کوي. دخوري سره چي یوځاي کره سي او دپیس په بدن و منبل سي پیس جوړیږي. که په خټه کي نوچرک وي راباسي ئي. ددې ټولو فایدوسره بیا هم بیله ضرورته استعمال ئي ښه نه دي. ځکه فرشتي ددې دېوي څخه کرکه کوي. اودرسول الله ﷺ حدیث دي چي ددې اومهخور لووالادي ومسجدته نه داخلیري.

## دلمرتودي اوبه فیس ناجوري پیدا کوي:

علاج: امام جلال الدین سیوطي رح لیکلی دي چي حضرت عمر رضي الله عنه فرمائي دي چي دلمر په تودو اوبوسره غسل مه کوي ځکه دادپیس ناجوري پیدا کوي.

## دخارش علاج:

علاج: په بخاری اومسلم کي د حضرت انس رضي الله عنه څخه روایت دي چي انس رضي الله عنه فرمائي چي د

حضرت عبدالرحمن رضي الله عنه اودحضرت زبير ابن العوام رضي الله عنه په بدنوخارش پيدا سوي وودوي مباركان ډير پريشانه وه نوپه دې وخت كې دوي ته رسول الله ﷺ دوربښمني جامي اغستلوا اجازه وركړه. دمسلم په بعضي رواياتوكي راغلي دي چې دجنگ په وخت كې ورسول الله ﷺ ته دشپږوڅخه شكايث وسونورسول الله ﷺ دغه كسانوته دمجبورئ له مخي دوربښمني جامي اغستلوا اجازه وركړه فايده: ددې حديث شريف څخه دامعلومه سوه چې يوخودنارينه دپاره دوربښمني جامي اغوستل حرام دي ځكه كه حرام نه وائي نودرسول الله ﷺ اجازې ته كوم ضرورت نه وو. دويمه خبره داده چې دمجبورئ په حالت كې حرام شي هم حلال وي. ددې څخه ماسواداخبره هم معلومه سوه چې وربښم دخارش دپاره مفيددي. ځكه چې وربښم زړه ته طاقت اوخوشحالي وركوي. اوسوداوي ناجوري ليري كوي. صاحب موجز ليكلي دي چې د وربښموتاثير گرم دي اوداوخشحاله ونكي دي. وربښمینه جامه دشپږو دفاع كوي.

### ذات الجنب ياپښتي درد علاج:

علاج: ترمذی دحضرت بن ارقم رضی الله عنه څخه روایت کوي چې رسول الله ﷺ فرمائي دي چې اي خلگو ذات الجنب علاج په قسط بحري اوزيت (خونان) سره کوی. فايده: دابايدوپيرندل سي چې دقسطبحري دوه قسمه دي

يوقسم خوردي چي سپين وي اودويم تريخ دي چي په رنگ  
 توردي.ذذات الجنب هم دوه قسمه دي يودادی چي په سينه  
 كي نو(چرك)وي اودانوپه اولنيو عصلا توكي وي بياددنه  
 دخواخه رابنكاره سي.اوداقسم ډير خطر ناك دي.علامه  
 ئي داده چي تبه،توخي اونفس تنگي پيداسي اودردناخس  
 ډيرووي تنده ډيره وي.ذذات الجنب دويم قسم دادي چي  
 دبادبنديدلو دكله په بغل كي دردپيداسي قسط بحري ددي قسم  
 دردعلاج دي.داستعمال طريقه ئي داده چي قسط بحري به  
 ميده كړئ اودزيتون دغوروسره به ئي گدكړئ ددرخاي به  
 په غوركړي نوانشاء الله فايده به وكړي.اوكه لمري قسم وي  
 نودهغه علامي مومخكي بيان كړي.دبلغم خخه پيداكيري.دغه  
 علاج:دبلغمي مزاج خلگودپاره هم مفيد دي.خوكه  
 نوصفراوي يادموي وي بيانوداعلاج مفيدنه دي.په يوه حديث  
 شريف كي راغلي دي چي يووخت رسول  
 الله ﷺ ناروغسونوگورواڼي پوه سوه چي ذذات الجنب يادبغل  
 دردناجوري ورپيښه سوي ده نوئي دقسط بحري اودزيتون  
 تيل دده مبارك په خله كي ورواچول نورسول الله ﷺ په اشاره  
 سره دوي منع كړل خو هيڅوك هم دده په اشاره پوه نه  
 سوهكله چي رسول الله ﷺ جورسونوپوښتنه ئي وكړه چي  
 داخه شي وه چي ماته موراكړه؟خلگوورته وويل چي داقسط  
 اوزيتون وه رسول الله ﷺ وفرمائل چي چي تاسوزمامرض  
 ذات الجنب گزلي ووحالانكه الله ﷻ به ماددي ناجوري خخه  
 محفوظ وساتي اوئي فرمائل چي چازماپه خله كي  
 دادواراچولي ده دهغه په خله كي دي هم واچول  
 سي.فايده:ددي حديث شريف خخه دامعلومه سوه چي څوك  
 دطب اوحكمت خخه پوره خبرداره نه وي نوهغه بايدهيڅ كله

دچا علاج ونه کړي. ولي که چاته دده په دواتوان ورسیدی نو پرده ضمانت لازم میري. صاحب سفر السعادة د عمر ابن العاص رضی الله عنه څخه روایت کړي دي چې څوک په ناپوهي سره دچا علاج کوي نو هغه ضامن گرځي.

## دسر ددر د علاج اودنکریز و خاصیتونه:

علاج: په ابن ماجه کي راغلي دي چې در رسول الله ﷺ په سرباندي چي به کله در دسونو پر سر به ئي نکريزي کيښودلې او فرمائل به ئي چي بيشکه نکريزي دالله ﷻ په حکم سره فايده کوي. فايده: د علاج دهغه در ددي چي دموي نه وي نو ددي علاج دويني کښلو په ذريعه کيږي. ابو داود کي راغلي دي چي چاچي به ورسول الله ﷻ ته ددر دشکايت وکئ نور رسول الله ﷻ به ورته وينه کښل (بڼکر لگول) و فرمائل. او چاچي به دنس ددر دشکايت در لودي نو پر هغه به ئي دنکريز و اوينو د لوا مر و کړي. په جامع ترمذي کي دام رافع رضی الله عنه څخه روایت دي چي پر رسول الله ﷻ به کله دانې راوختي يابه لمبې ووهي نوبه ئي نکريزي ددانو پر ځاي کيښودلي فايده: اطباء وو ليکلي دي چي نکريزي د بدن غوتي خلاصوي نو ځکه رسول الله ﷻ دنس ددر په وخت کي نکريزي استعمال کړي دي. دنکريز و خصوصيت دادي چي رطوبت فاسده د بدن څخه وچوي. اطباء وو ليکلي چي که پوره يوه مياشت سړی نکريزي داو و متقالو بوړي سره و خوري د جذام ناجوري دپاره مفيد دي. که دچانوکان غور ځيدلي وي نو دنکريز و او به دي دی چنر کړي او در لسو ورځو پوري دي وځيښي نو انشاء الله اصلي نوکان به ئي راسي. دپوښتورگي اومثاني ددبر و دپاره ددي استعمال مفيد دي. که په خوله کي

زخم وی نودنکریزو اوبه غرغره کول ورته ډیره گټه رسوي. دځنگنودر دډپاره هم ډيري مفیدي دي.

## دکوچنیانو دحلق ناجوري:

علاج: غداره دشیډور وودونکو ماشومانو مخصوصه ناجوري ده. او اکثره په حلق کی وي او ددی ناجوري اصل سبب دادي چي دائي (قابله) ئي دماشوم په حلق کي کيږدي او په زور سره ئي ورپري وهي. نو ددی کبله دغه ناجوري په ماشومانو کي پيدا کيږي. علامه ئي داده چي دماشوم دخلي او پزي څخه هر وخت وینه راضي ځکه خورسول الله ﷻ بنخي منع کړي دي چي دماشومانو حلق دي په ډير زور سره نه ورپري وهي او ددی ناجوري علاج ئي داسی بيان کړي دي. امام احمد بن حنبل په خپل کتاب مستدرک کي ليکلي دي چي يو وخت رسول الله ﷻ دعائشي رضی الله عنها وکورته ورغي په دغه وخت کي عائشي رضی الله عنها ته نژدې يو کوچني هلک ناست وو چي دسر موڅخه ئي وینه روانه وه رسول الله ﷻ وفرمائل چي دا ولي؟ څه په وسوه؟ چي دده دسر موڅخه داسي وینه ځي؟ خلگو ورته وويل چي دي دتالو يا حلق پورته کيدوده وچي او پرسر ئي هم درددی رسول الله ﷻ وفرمائل افسوس دي پر بنخو باندې چي په دارنگه خپل اولاد هلاک کوي. يعني دماشومانو تالو يا حلق داسی مه پورته کوئ چي ماشوم داسي حالت ته ورسيري. بياني لار بنونه وکړه چي کوم ماشوم ته دانا جوري پيښه سي نو بايد يولر اندازه قسط بحري په اوبو کي حل کړئ او دماشوم په پوزه کي ئي ورواچوئ. حضرت عائشي رضی الله عنها د علاج دماشوم ومورته وروښوي او په دي علاج سره هغه ماشوم جوړ سو.

## دقسط بحري فايدي:

اطباو وليکلي دي چي قسط بحري بندي بولي اوبندحيض خلاصوي. بدن خرابي مادي جذب کوي. دځيگر سيني غوتي خلاصوي. درحم درددپاره مفيددي. معدې ته طاقت ورکوي. غليظ رطوبات دفع کوي. دماغو اوبندونو دردليري کوي. بادونه باسي. دسکنجبين سره چي يوځاي سي او وځتل سي دتبي څلورمه حصه وره کيري. دغسلوسره چي يوځاي سي او خورل سي دساه لندي اوزاره توخي دپاره مفيددي. دلج دپاره مفيددي. دودول ئي زکام ته فايده رسوي. که څوک دا اعتراض وکړي چي قسط بحري خوگرم دي نو ددي ناجوري دپاره څنگه مفيددي؟ جواب دادي چي خرابه وينه اوبلغم سره يوځاي سي نو پيدا کيري بلکه بلغم زيات او وينه کمه وي. او دقسط بحري گرمي بلغمي رطوبت جذب کوي. ځکه نو دا دواپه غدره کي مفيده ده. اوبعضي علماو داجواب ورکړي دي چي دادر سول الله ﷺ يوه معجزه ده اوپه دې کي خبري کول بي عقلي اوناپوهي ده او د عقيدې مخالف کار دي.

## دزړه درداو دهغه علاج:

علاج: ابوداود حضرت سعدرضي الله عنده روایت کړي دي چي زه يووخت ناروغه سوم نورسول الله ﷺ دپوښتني دپاره راغي او خپل لاس مبارک ئي زماپه سينه باندي کيښودي دللاس يخوا لياو خوشحالي ماپه خپل زړه کي

محسوسه ڪره بيائي راته وويل ڇي ته بايددحارث بن ڪلاه وحواته ولاړسي ڇڪه هغه دخلگو علاج ڪوي. اوحارث ته پڪار ده ڇي دمديني اووه خرماوي راواخلي اودهوڪي سره ئي يوڇاي وٽڪوي بيائي په تاوخوري.فايده: علماووليڪلي دي ڇي الله ﷻ دمديني په خرماڪي داخاصيت ايڻي دي ڇي دزره ددرديپاره فايدهرسوي. اوداووه عدديه باره ڪي ڇي ڪوم خاصيت دي هغه الله ﷻ اودالله ﷻ رسول ﷻ ته معلوم دي. حڪماء اونورخلگ ڇني عاجزدي ڇڪه ڇي ددي تعلق يوازي دوحى سره دي. په بعضي احاديثوڪي راغلي دي ڇي ڇوڪ هر سهاراووه اووه دانې خرمامديني خوري. په هغه به هيڇڪله جادواوز هراثر ونه ڪري.

### علاج اوپرهيز ڪول سنت دي:

علاج: ددي خبري معلومات هم ضروري دي ڇي ڪله علاج ڪول سنت دي نوپرهيز ڪول هم سنت دي هيڇوڪ دانه مني ڇي پرهيزڪول غيرشرعي عمل دي. ڇڪه پرهيزڪول په قرآن ثابت دي. ڇرنگه ڇي الله ﷻ فرمائي دي ڇي (ڪه تاسوناجوري ياست نوتيمم وهئ) اورسول الله ﷻ حضرت صهيب رضى الله تعالىعنه ته فرمايلى وه ڇي تاسوخرمامه خورئ ڇڪه ستاسوسترگي خوريزي، اودحضرت علي رضى الله تعالى عنه واقعه هم تيره سوي ده ڇي رسول الله ﷻ دڪمزورى په وخت ڪي دخرما خورولوڇخه منع ڪري وه. نوددي ٽولودلاءلوڇخه معلومه سوه ڇي په ناجوري ڪي پرهيزڪول هم ضروري دي ديندار اوحاذق (پوه) طبيب ڇي ڪوم پرهيزتجويزڪي دهغه مطابق پرهيزڪول لازمي دي. ڪه يوحڪيم بي له ضرورته يوچاته يوحرام شى وڻبايي



بايد چيپهڻ ڪله ونه منل سي ڪه مخي معلومه سوه چي  
طبيب به مسلمان او حاذق وي دصحت او جو رتيادپاره به  
الله باندي اعتماد پڪار دي.

### دخد اوبي حسي علاج:

علاج: خداسي ناجوري ده چي دانسان په بدن کي ديوشي  
دکبله حس او حرکت ديخ او گرمي احساس پاته نه سي په سفر  
السعادت کي ليکلي دي چي يوسري په ناپوهي سره يوي  
درختي ته نژدي سويو څو بلگونه يي ځندي وشکول هغه يي  
وخورل نوهغه خلگ ٽول بي حساوبي حرکت ه سوه رسول  
الله فرمايلي دي چي په يوه ڙي (گدي) کي دي اوبه يخي سي  
دسحر داڏاناو تکبير تحریمه په منح کي دي په دغه خلگوباندي  
ويانل سي.

### دثبره او ددانو علاج:

علاج: ثبره په هندي ڙبه کي دانوته وايي. ددي علاج په  
سفر السعاده کي ليکلي دي. چي امهات المؤمنين ته يوي بنخي  
وويل چي زما پرگوته دانه راپورته سول. رسول  
الله زما کورته تشريف راوري. پوښتنه يي وکړه چي ستاخه  
لر. توره زريره سته؟ ماورته وويل هوسته. نووي فرمائيل چي  
په دانوباندي ئي پوري که. فايده: دقطب الزرير هميدي ته  
زريره وائي. قطب الزريره چي زره سي نوددي ددنه څخه  
يوغونډشي راوځي هغه ته زريره وائي جالينوس ليکلي دي  
چي قطب الزريره په اوبوکي ميده کړل سي او په دانوپوري  
سي داني جوړيري.

## دمريض په پوښتنه کولوباندي دمریض تسلي کیدل:

علاج: دمریض سره ښه خبري کول پکار دي ځکه چې په دې سره دمریض زړه خوشحاله کيږي. اودمریض تکلیف په کميږي. په سفر السعادة کي دحضرت ابوسعید رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چې کله تاسو ديو مریض پوښتنې ته ورځئ. نو دهغه د عمر داوړ. دوالي خبري کوی. په دې سره دمریض تقدیر نه بدليږي ليکن دمریض زړه په خوشحاله کيږي. فايده: مطلب دادي چې هر کله تاسو دمریض پوښتنې ته ځئ. نو دمریض دزړه دخوشحالی خبري کوی. مثلاً هغه ته داسي خبري کوي چې ته فکر مه کوه انشاء الله ډير ژر به صحت پيدا کړي. اوستاخواوس لا ډير عمر پاته دي. په دغه خبرو تقدیر نه بدليږي خوددې فايده داده چې دمریض زړه په خوشحاله کيږي.

## دغصې اوقهر ليري کولو علاج:

علاج: قهر او غصه هم دنارو غيوڅخه يوه ناروغي ده چې خپل ځان ته هم تاوان رسوي اونور وته هم قهر او غصه پيدا کوي. دصفراء ډير والي له کبله په جوش سره کله کله حرارت دباندي راسي تبه، دسر درد، بی هوښي اوددې څخه ماسوانوري ناجوري هم ورڅخه پيدا کيږي. کله کله بياداسي حالت ته ورسيري چې دژبي څخه کفري کلمات راوړي. دداسي خلگو عزت په معاشره کي ډير کم وي. دښمنان يي ډير وي. دوستان يي کم وي. دغه سي کسانو ته که طاقت کم حاصل سي نو خلگو ته نقصان رسوي. او که طاقت يي نه وي

نوبیادغصی څخه خپل ځان هلاکوي. یومشهور متل دی چېکه  
 غصه درویش برجان درویش (ترجمه) ددرویش غصه پر خپل  
 ځان وي بسکنځل کوي خپلي جامي څيري اوکله کله  
 دخودکشئ کوشش هم کوي. ځکه رسول الله ﷺ فرمائي اي  
 خلگو غصه هم سگروته ده چې دخلگوپه زرونوکي بليري  
 اودغصی داورکيدودليل دادي چې دغصی په وخت کي  
 سترگي سرې وي، دڅټ رگونه هم وپرسيري، رنگ بدل  
 سي، اوټول بدن په جوش راسي. فايده: ددې حديث شريف څخه  
 معلومه سوه غصه يواوردي چې په زړه کي پيداکيري ليکن  
 په بدن باندي بنسکاره سي. ځکه خوانسان لره پکارده چې  
 دغصی په وخت کي ترخپله وسه ددې اورڅخه ځان  
 وساتي. که وچاته غصه راسينوپه دي حديث شريف کي درې  
 علاجونه ذکردي بايدکارورڅخه واخستل سي. اول يخي اوبه  
 دي وچبني دوهم که دغصی په وخت کي سري ولاړوي  
 بايدکبنيني اوکه ناست وي بايدپريوزي دريم الله ﷺ دي  
 ورپيادکري اودادعادي ووائي (اعوذبالله من الشيطان  
 الرجيم) په دي درو طريقوسر هغصه (قهر) کميري.

### د ناروغي او غم علاج:

علاج: په سفر السعادة کي ليکلي دي چې کله به در رسول الله ﷺ په  
 کور کي يابه دعائشي رضی الله تعالی عنها يوقريب وفات  
 سونو رسول الله ﷺ به تنبيه پخوله اودسورواسره به يي  
 خوړل. اوفرمايل به يي چې اي خلگو داخوري ځکه چې په  
 دي کي شفا ده. دعائشي رضی الله تعالی عنها څخه روايت دي  
 چې مادر رسول الله ﷺ څخه اوريدلي دي چې تنبيه د زړه  
 دناروغيو لپاره راحت ورکونکي دي. بغض او غم ختم کوي. په

بعضباحاديٿوڪي راغلی دي چي ڪله به رسول الله ﷺ ته چاڊيو سڀري دناجوري وويل چي فلانڪي دناجوري دڪبله خوراڪ نه ڪوي رسول الله ﷺ به ورته دتنبيه دپخولو اوپه بيمار دخور لوو فرمائل. او فرمائل به ئي چي قسم په هغه ذات پاڪ سره چي زماروح دده په قبضه ڪي ده چي تنبيه نس داسي پاڪوي لکه سڀري چي مخ دخيرو ڇخه پريمئخي. فايده: تنبيه يونرم شي دي چي چينبل ڪيري. دجوړولو طريقه يي داده چي داوڙ بشووره بيله چنرلو ڇخه په شيڊوڪيپاخه ڪرل سي او عسل ورسره يوڇاي سي. ديخي دلورسته وڅينبل سي. بعضی وخت دثريدسره يوڇاي هم څينبل ڪيري.

### دز هرو تاونونه او علاج يي:

علاج: په سفر السعاده ڪي ليکلي دي چي يوي يهودي بنخي په غوبنه ڪي زهر و اچول بيائي در رسول الله ﷺ په خدمت ڪي وړاندي ڪرل رسول الله ﷺ يوڇه ڇندي وخورل. الله ﷺ غوبني ته دخيرو ڪولو توان ورڪي اووي ويل چي تاسو مامه خوري ڇکه زه په زهر و ڪڙه سوي يم. رسول الله ﷺ ددي بنخي ڇخه وپوئتل چي تاولي ددي غوبني سره زهر گڏ ڪري دي؟ هغي وويل ماستادان مينبت لپاره ورسره گڏ ڪره تاسو رسول ﷺ ياست. ڇکه خوپه تاسوزهر هيڃ اثر نه ڪوي. دمعجز يي په طور خواهه وخت هيڃ اثر په رسول الله ﷺ ونه سو. ليکن دننه په بدن ڪي هغه زهرو اثر وڪي. ددي واقعي ڇخه ورسته دري ڪاله رسول الله ﷺ ژوندي وو. په دغه دري ڪاله ڪي به ڪله ڪله دز هرو اثر معلوميدی. نور رسول الله ﷺ به په ڇٽ او اوڙوباندي وينه وڪنبل. دوفات په وخت ڪي

رسول الله ﷺ و فرمائيل چي هغه زهر چي ماخوڙ ليو ههغه زهر روز مادسيني رگونه پريکري وه په دغه وخت رسول الله ﷺ وفات وکړي. علما ووليکلیدی چي رسول الله ﷺ ته دشهادت مرگ ورکړل سوي دی. الله ﷻ ددي لوي نعمت څخه بي برخي کړي نه دي. په رسول الله ﷺ چي کله يهودانو جادو کړي وه دغه وخت هم رسول الله ﷺ پر سر باندي وینه کنبلی ده. جادو او نور وبيان کول دلته بي حايه دي ځکه ددي بيان په طب الهي کي کيږي.

### دقي په ذريعه دنار وغيو علاج:

علاج: په مشکوٰۃ شريف کي راغلي دي چي رسول الله ﷺ يو وخت قی ووهي ورسته ئي بيا اودس وکي. فايده: ددي حديث شريف څخه دامعلومه سوه چي ده مبارک به کله ناکله دقي په ذريعه هم علاج کوي. ځکه خواطبا ووليکلیدی چي په قی وهلو سره دماغ صفا کيږي. او معده هم صفا کيږي. دمعدې رطوبت وچيږي. دبقرات قول دي چي په مياشت کي دوه واره قی وهل پکار دي ځکه که په اول وارڅه شی پاته سی نويه دويم وار به راووزي او پاکي به وسي. ليکن په ډير قی وهلو سره سینه او په معده کي در دپيدا کيږي. ددي څخه دامعلومه سوه چي دامام ابوحنيفه په نيز په ډکه خوله سره په قی وهلو اودس ماتيري ځکه قی هغه دي چي په ډکه خوله سره وي اودننه چي څه وي هغه په جوش سره دباندې راووزي.

## دمولي دبوي علاج:

علاج: صاحب سفر السعادة تنتزیه الشریعت څخه ابن مسعود رضی الله تعالی عنه روایت کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي څوک مولي خوري او غواري چي دخولي څخه ئي بوی ولاړنه سي نو هغه لره پکار ده چي مایادکي په بل روایت کي دي چي په مادر د شریف ووائي. فایده: بعضي علما ووليکلي دي چي مور ددي تجربه کړي ده په دي عمل سره دمولي بوي ځي. دمولي فایدي دادي اواز صفاکوي، لوړه پیداکوي، دخوراک ورسته په څتلوسره بادونه دنس ختموي، دمخ رنگ صفاکوي، همیشه خوراک ئي ختلي ورینستان بیرته راپورته کوي اودمولي عرق د بدن غوتي خلاصوي.

## هریره اوددي فایدي:

علاج: په جامع کبیرکي راغلي دي چي هریره دهر ي ناجوری څخه شفا ده. دهريري فایدي دادي معده پاکوي، بادونه خارج کوي، بندي بولي خلاصوي، شيدي زیاتوي، حیض خلاصوي، دپینتورگي څخه ډبري ليري کوي، بلغم خارج کوي، دمواسيرو دپاره هم ډیر مفید شی دي.

## دکرفس اونرگس فایدي

په جامع کبیرکي دي چي کرفس خورئ ځکه چي دا عقل زیاتوي. اونرگس هره ورځ که په ورځ کي نه وي په هفته کي که په هفته کي نه وي په میاشت کي که په میاشت کي نه په کال کي یو وار دالله ﷻ په نامه ویلوسره بوي کوي. دکرفس

فایده دادي قبض راولي، لوره زیاتوي، زره ته طاقت ورکوي، دبلغم فسادورکوي، مني زیاتوي، دنس چنجیان وژني، دزره ایشیدل ورکوي لیکن په نس کي سوزش پیداکوي، ذهن تیزوي. دنگس فایده دادي ماده جزب کوي، ریاح حل کوي، رحم پاکوي، حمل غورځوي، دمعدې څخه فاسد موادلیري کوي، زخمونه ډکوي، چي دعلوسره یوځای کره سي دبنودرد دپاره مفیددي، په یخ کي بویول ئي دنزلي دپاره مفید دي.

### دلویا خاصیتونه او فایده:

علاج: مردانه قوت ته حرکت ورکوي، مني پیداکوي، شیدي پیداکوي، مني زیاتوي، بندي بولي خلاصوي، حیض جاري کوي، د بدن ترقي کوي، دملا ددر داو پینتورگیدپاره ډیره فایده رسوي، ژرنه هضمکیري، ددی په خوراک سره غلیظي مادي پیداکیري، ددی مصلح خردل اوزنجیل دي، دحمل په وخت کي اکثر دلویا خوراک سره اولاد هوبنیار پیداکیري.

### دهندوانی خاصیتونه او فایده:

علاج: دنوروفایدو څخه علاوه دهندوانی یوه فایده داده چي دحمل په وخت کي ئي بنځه زیاته خوري نوماشوم بنائسته اوتندرست پیداکیري.

### نسیان هیره پیداکیدونکي شیان:

په لاندي نهو ذکر سوو شیانوسره هیره پیداکیري. اپنیر دغوروسره خورل. ۲ دهغه شی خورل چي

سپي بوي ورباندي کنبلي وي. ۳ تريوسيب خوړل. ۴ گشنيز زيات خوړل. ۵ پرخت باندي زياته وينه کنبل. ۶ ددوښخوپه منځ کي تلل. ۷ دخپل مطلوب و طرفته کتل. ۸ دشپيري ژوندي پريښودل. ۹ دقران کریم تلاوت په هديره کي ډير کول فايده:

دنس دچنجيانو دوژلو دپاره په نهره خرما خوړل ډير مفيد دي. که څوک غواړي چي قرآن کریم حفظ کړي نو بايد د علو استعمال زيات کړي داروايات دجامع کبير څخه راخستل سوي دي.

### دمشک خاصيتونه اوفايدي:

علاج: صاحب جامع الصغیر دسلمه بن اوکع رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړي دی چي رسول الله ﷺ به په خپل ږیره اوسر مبارک باندي مشک لگول. فايده: علما ووليکلي دي چي مشک رنگ سور کوي. دزره، دماغو، اومردانه قوت دپاره ډير فايده مندي. غم او خفگان لير کوي، د بدن غوتي خلاصوي، بويول ئي نزله دره وي، لگول ئي قوت باه په حرکت راولي، که دچاپه سترگوکي غبار ياسپين والي وي دمشکولگول ډيره فايده ورته رسوي. ددوي لگول دبی هوبني دپاره هم ډير مفيد دي. دفلج له کبله چي بدن بي حرکته سي نو دمشکولگول ډيره فايده ورته کوي. دهيري دپاره هم ډير مفيد دي.

### درنجو صحيح طريقه:

علاج: په ابوداودکي روایت دي چي رسول الله ﷺ د شپي دبیدیدوپه وخت کي دخوشبوئي اوسترگوتورولو حکم کړيدي. فايده: بعضي علما ووليکلي دي چي دخوشبوداره څخه



دلته مشڪ چي رانجه ورسره گڏسوي وي مراددي. په ابن ماجه كي روايت دي چي دائمدرانجه درتولور انجوبهتردي. ڪه دغه رانجه سترگي روښانه كوي. بانروگان گنوي. دترميذي په شرحه كي راغلي دي چي اصفهاني رانجوته ائمدواني. په بعضباحاديثوكي راغلي دي چي څوك سترگي تورو نوطاق ځله دي تورو. فايده علماو دسترگوتورولودري طريقي بيان كړي دي. اول داچه دوه سلايان په راسته سترگه كي دوه سلايان په چپه سترگه كي بيايوسلائي په راسته سترگه كيدوهم داچي دوه سلايان په راسته سترگه كي دوه سلايان په چپه سترگه كي دري سلايان په راسته سترگه كي دري سلايان په چپه سترگه كي.

### دخوشبوني فايدي او خاصيتونه:

علاج: په سفرالسعاده كي ليكلي دي چي درسول الله ﷺ په خدمت كي چي به چا خوشبوني ورائدي كوله نورسول الله ﷺ به نه ردوله دده مبارك ارشاددي چي كه تاسوته څوك خوشبوني دركوي مه ئي ردوي. فايده: علماو بياندي چي د خوشبوني په استعمالولو او دكورونوپه صفا ساتلوسره صحت جوړيري او خوشحالي حاصليري. زره ته هم ډير طاقت وركوي. په مسندبزاز كي روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي الله تعالي ﷻ صفائي كونكي دوست لري بخبونكي او بخشش كونكي دوست گني. ڪه نوهرچاته پكارده چي خپل كور او داوسيدلو ځايونه پاك وساتي ديهودانوپه شان نه سي چي په خپلوزرنوكي گندگي جمع ساتي او خوشبولگوي ڪه چي په دي سره فرشتي كورونوته نه راځي.

## دشپي او په جاموسره دجار وکولو نقصانونه:

په صلوة مسعودي کبني ليکلي دي چي دشپي په جار ووهلوسره محتاجي راځي. په بستان کي ابوليث ليکلي دي چي که څوک په جاموسره جار وکوي نو هغه به محتاجه وي.

## دمختلفو خوراکو نوجمع کولو نقصان:

علاج: په سفر السعادة کي ليکلي دي چي رسول الله ﷺ دوي مختلفي قسم غذاگاني هم يودبل سره نه استعمالولي اودوه قبض کونکي اودوه عمل کونکي غذاگاني هم نه سره جمع کولي يعني يوخاي به ئي نه خورلي هيڅ کله داسي نه دي شوي چي ده دي ماهي خورلي وي اوبغير د هضم کيدو څخه دي ورسته شيدي چينلي وي. شيدي او هگي شيدي او غوبنه ئي هم يودبل سره نه دي خورلي. مطلب داچي ترڅو پوري يوشی نه وي هضم سوي دويم شي ئي نه دي خورلي ځکه چي دمختلفو شيانو په هضم کولو سره پرمعه باندي ډير بوج راځي اوددي وچي څخه قبض هم پيدا کيږي.

## دخوراک څخه ورسته سپورت کول:

علاج: دجسماني صحت دپاره حرکت کول ډير مفيد دي ځکه چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي دذکر اولمونځ په ذريعه سره هضم کوي دخوراک کولو ورسته دستي بيدل نه دي پکار ځکه په دغه عمل سره زړه سختيري فايده: په مواهب کي ليکلي دي چي کوم سړي چي خپل بدن تندرست اوجور غواړي بايد هره شپه دخوراک ورسته ۵۰ اقدامه مزل وکړي. شيخ الرئيس اونور واطبا وليکلي دي چي په ډير

حرکت سره حرارت غريزي تحليل کيږي او کمزور ٿي پيدا کيږي. د بعضي اطباو و دانظردي چي په ډير حرکت سره حواس گډوډ کيږي ليکن ددي مطلب دانه دي چي بلکل دي حرکت نه کوي ددي څخه کاهلي اوسستي پيدا کيږي. په دي وجه د جسماني صحت او تندرستيادپاره سفر کول هم يو علاج دي ځکه په کتاب الطب کي ابونعيم دابوهريره رضی الله عنه څخه روايت کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي سفر کوي ځکه چي ددي په ذريعه صحت او تندرستي پيدا کيږي.

### دمسواک فايدي او خاصيتونه:

علاج: معجم اوسط کبني طبراني دابن عباس رضی الله عنه څخه مرفوعاً روايت کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي دمسواکپه وهلو سره ځله صفاو پاکيږي، الله ﷻ خوشحاله کيږي، مخ او نظر روښانه کيږي، په جامع کبير کي راغلي دي چي په مسواک سره فصاحت زياتيږي، الله ﷻ خوشحاله کيږي، غاښونه صفا کيږي، په ځله کي خوشبوني وي، وري ټينگيږي، حلق دبلغم څخه پاکيږي، رطوبت ليري کوي، ځکندن اسانه کوي، دمرگ په وخت کي کلمه نصيب کيږي، خوراک هضم کوي، په رزق کي ډيروالي راځي، دغاښو گندگي اودر دليري کوي، معده قوي کوي، عقل تيزوي، زړه پاکوي، مخ نوراني کوي، زړه اودماغ ته طاقت ور کوي، اود عامونارو غيو دپاره ډير مفيد دي.

## دخوب فايدي او نقصانانونه:

علاج: په جسماني علاجونو کي يوموثر علاج خوب دي ځکه الله ﷻ په خپل کلام کي فرمائي دي (الله ﷻ داسي دي چي ستاسي دپاره ئي شپه مقرره کړيده ځکه تاسوارام کوي اودتولي ورځي سترياوزي اوتندرستي قائمه سي اودالله ﷻ په عبادت کي مشغول ياست) فايده: جالينوس ليکلي دي چي کوم سړي خوراک حل کوي اودنس ماده حل کوي نوده ته پکارده چي خوب وکړي. ليکن په خوب کي هم اعتدال ضروري دي ځکه چي په ډير خوب کولوسره سړي کمزوري کيږي. ډير خوب کونکي به په ورځ دمحشر دغريبانو اومفلسانوسره راپورته کړل سي. ځکه حضرت سليمان عليه السلام ته خپلي مورنصیحت وکي چي اي هلکه ته ډير مه بديره ځکه چي در ضرورت زيات خوب انسان دقيامت په ورځ مفلس کوي اودمفلسانوپه صف کي په راپورته کيږي. په دوهمه فايده کي علماووليکلي دي چي دڅلور وختونودخوب څخه ځان ساتل پکار دي ۱دسهارپه وخت کي ۲دڅانبت په وخت کي ۳دماپينين ورسته ۴درمانبام ورسته شيخ الرئيس ليکلي دي چي سحر بيده کيدل دانسان بدن کمزوري کوي. مگر نه دغرمي دډوډي ورسته يعني قيلوله کول چي داسنت طريقه هم ده اوددې ډيري فايدي دي مثلاًدماغ مضبوطوي عقل تيزوي د شيخ الرئيس قول دي چي دورځي ډير خوب کول مناسب نه دي ځکه چي دورځي بيده کيدل بيده مرضونه راويښوي، توري سخت کوي، رنگ خرابوي، ليکن دقيلولي څه مضائقه نسته. بايددشپي زياته حصه خوب ته ورکړل سي. ټوله شپه په ويښه تيرول

ډير مضر دي. ددې سره د بدهضمي شکايت پيدا کيږي. عقل او دماغ کمزور کيږي. په بدن کې خشکي پيدا کيږي. کله کله داسې هم پيښه سي چې د ليو نټوب سبب وگرځي. ځکه رسول الله ﷺ و حضرت عثمان رضی الله عنه ته د ټولي شپې دشوگيري څخه منعه کړي وه او فرمائي ئې وه چې ستاندنس هم پرتاباندي حق دي او ټوله شپه په خوب تيرول هم بڼه نه دي بلکه د سفيدو څخه درمخه راپورته کيدل پکار دي ځکه ټوله شپه په خوب سره شيطان دسري په غورکي بولي کوي.

### داب زمزم فايدي او خاصيتونه:

علاج: امام جزري په خپل کتاب حصن حصين کې روايت نقل کړي دي چې په آب زمزم کې دهر شي څخه شفاءسته. که په مرض کې دشفاء په نيت سره وڅيښل سي نو شفاءده او که د تندي دپاره وڅيښل سي نو تنده ماته وي. حضرت انس رضی الله تعالی عنه چې به کله آب زمزم څښلې نو دادعا به ئې ويل (اللهم اني اسئلك علما نافعاً ورزقا واسعاً وشفاء من كل داء) (ترجمه) اي الله ﷻ زه ستا څخه د مفيد علم او درزق دزياتوالي او د ټول ناروغيو څخه دشفا سوال کوم.

### دابو څيښلو صحيح طريقه:

علاج: په جامع کبير کې د حضرت ابوهريره رضی الله تعالی عنه څخه روايت دي چې رسول الله ﷺ فرمائي دي چې هر کله تاسو اوبه څښئ نو په يوه ساه يې مه څيښئ ځکه په ساه څيښلو سره په سينه کې درد پيدا کيږي د حضرت انس بن مالک رضی الله تعالی عنه څخه ابوحاتم روايت کړی دي چې

رسول الله ﷺ به په دروساو او به څيښلي او فرمائل به ئي چي دا طريقه تنده ښه ماتوي او خوراک ښه هضم کوي. تندرستي قائمه وي. په بعضي احاديثو کي راغلي دي چي په ولاړي سره داوبو څيښلو څخه منع هم کړي ده. په ترمذي او نورو کتابونو کي د حضرت انس بن مالک رضی الله تعالی عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ په ولاړي سره داوبو څيښلو څخه منع کړی ده. بعضي اطباو وليکلي دي چي په ولاړي سره او به څيښل په نس کي درد پيدا کوي. بعضي عالمانو وليکلي دي چي په ولاړي سره او به څيښل په درو ځايونو کي جائز دي. اول آب زمزم دوهم آب سبيل (د خيرات په نيت ايښودل سوي او به) دريم آب وضوء (داودس څخه ورسته پاته او به) په بعضي احاديثو کي دمشق څخه هم په ولاړي او به څيښل صحيح بللي سوي دي. بعضي اطباو وليکلي دي چي په ولاړه او پروته سره او به څيښل اعصاب او معده کمزوري کوي. په بعضي احاديثو کي راغلي دي چي در رسول الله ﷺ يخي او خوري او به ډيري خوښي وي. ځکه په ابو داود کي دعائشي رضی الله تعالی عنها څخه روايت دي چي مابه در رسول الله ﷺ ډپاره يخي او خوري او به د سقيا څخه راغونښتي (سقياديوکلي نوم دي چي دمديني څخه د دروور څوپه مزل باندي دي) په فايده کښي ليکلي دي چي شيخ ابو علي سيناويلي دي چي خوري او به درتولو بهتره دي. داوبو څيښلو صحيح وخت هغه دي چي کله ده خوراک دهضم کيدو وخت وي. که دخوراک هضم کيدو ورسته او به وڅيښل سي نو ډيره به بهتره وي. بعضي اطباو وليکلي دي چي دخوراک څخه مخکي او به څيښل دمعدې حرارت ختموي. او دخوراک څخه ورسته او به څيښل په معده کي

گرمي پيداڪوي اوبدن ڀر سوي. بقراط ليکلي دي چي دخوراک ڇخه ورسته دستياوبه ڇينبل بنه نه دي. په نهاره اوبه ڇينبل هاضمه خرابوي. دخوراک ڇخه ورسته اوبه ڇينبل غذا هضم کوي. په احياء العلوم کي امام غزالي ليکلي دي چي د خوب ڇخه در اوپنيدو ورسته دستي اوبه مه ڇينبل ڇڪه حرارت غريزي ختميري. دجماع کولو ورسته اوبه ڇينبل دگوزن ناروغي پيداڪوي. دميو دي دخورلو ورسته هم اوبه ڇينبل بنه نه دي ڇڪه پرڙبه باندي زخمونه پيداڪيري.

### درتولو غوره اوبه کومي دي؟

ترتولو اوبو غوره اوبه دباران اوبه دي. تردي ورسته رواني جاري اوبه دي چي دمشق ڇخه و مغرب طرف اوياد مغرب ڇخه و مشرق طرف ته بهيري. يادشمال ڇخه و جنوب طرفته بهيري. ددي ڇخه ماسوانوري اوبه هم مفيدي دي دطب په کتابو کي ددي پوره تفصيل سته دڄاه اولي اوبه يوڄاي کول او استعمالو لڌسختونارو غيو دپيداڪيدو سبب گرڄي. فايده: په سفر السعاده کي ليکلي دي درسول الله ﷺ ارشاد دي چي تاسو دلونبو خولي پتوي ڇڪه په کال کي يوه شپه داسي راڄي چي داسمان ڇخه بلاوي نازيليري او په هغه لونبو کي چي سر يي لڄ وي لوييري.

### دو ايانودوه قسمونه دي:

۱ ادويات طبعي ۲ ادويات الهيا ادويات الهي ته ادويات روحاني هم ويل کيري. تراوسه پوري په دي کتاب کي دطبعي ادوياتو ذکر کيدي په دپکي اطباء هم شريک دي. اوس به دالهي ادوياتو بيان کيري چي دادانبياء عليهم السلام ڇخه ماسوائی

نور هيڏوڪ نه پيڙني. دادويات الهي مختلفي طريقي دي چي  
 ڪله په آيات قرآني، ڪله په اسماء الهي، اوڪله په دعاسره علاج  
 ڪيري. ڪله په رقيه چي په فارسي ڪي ورته افسون اوپه هندي  
 ڪي ورته منتر ويل ڪيري علاج ڪيري. ليڪن منتر هغه صحيح  
 دي چي په اسماء الهي اويا آيات قرآني سره وي. اومعني بي  
 هم معلومه وي. ڇڪه چي دناداني له وجي ڇخه په شرڪ ڪي  
 مبتلانه سي. ڇڪه خود رسول الله ﷺ معمول داو وچيڪله به دده  
 ڇخه دمنتر ڪولو خواست وسونوده به وڪتل ڪه به چيري  
 دشرڪ ڇخه پاڪ وونودمنتر ڪولو اجازه به ئي ورته ورڪره  
 چي داعمل وڪري اوخپلو ورنپروته فايده ورسوي. په  
 ابوداود وغيره ڪي دبن مسعود رضی الله تعالیٰ عنه ڇخه  
 روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي رقيه  
 (منتر) تائم طيره شرڪ دي. فايده: ددي حديث شريف ڇخه  
 معلومه سوه چي بعضي منتر هم شرڪ دي ليڪن شرڪ په  
 هغه منتر وسره دي ڪم چي دقران او اسماء الهي ڇخه نه  
 وي. اومعني ئي هم معلومه نه وي. اوڪم منتر چي دقران  
 او اسمائي الهي سره برابر وي په هغه ڪي هيڏ باڪ نسته په  
 دريمه فايده ڪي ليڪلي دي چي تائم دطيمي جمع ده او طميه  
 خرمرې ته ويل ڪيري اودز مري وغيره نوڪان هم پڪيني  
 شامل دي. عربان دخپلوماشومانوپه غاره ڪي دبدنظر ڇخه  
 دحفاظت لپاره داشي يعني خر مهره اچوي. دي ته رسول  
 الله ﷺ شرڪ ويلي دي.

### دعام تعويذ ڪولو حڪم:

په ڪوم تعويذ ڪي چي آيات قرآني او اسمائي الهي نه وي ياوي  
 خود غير الله ﷻ نوم هم ورسره شامل وي داسي تعويذونه



صحيح نه دي. ددي څخه معلومه سوه چي کوچنيانوته دچادنوم طوق، ځنځير، ياطبندور په غاړه کول هم صحيح نه دي. ولي چي داهم په طمانم کي راځي. ددي دليل دادي چي که په خر مهره يادزمري په نوکونوکي شکاره هيڅ شرک نسته ليکن اچونکي داعقيده لري چي ددي شيانوپه ذريعه ماشوم دبدنظر څخه محفوظ وي بس دغه شرک دي دغه رنگه دخلگونيت په ځنځير، طوبندوغيره کي هم دي نوداهم شرک دي.

### دمنتر (تعويذ) حکم:

بعضي ښځي دخپل ميره دمحبت دحاصلولودپاره منترونه اوکوډي کوي. رسول الله ﷺ دي ټولو خبروته شرک ويلي دي ليکن چي کوم منتر داسي وي چي معني ئي نه وي معلومهاوهغه رسول الله ﷺ اوريدلي وي اودهغه څخه ئي منعه نه وي کړي نودهغه په کولوکي څه نقصان نسته ځکه که په دي کي شرک وائي نور رسول الله ﷺ به ضرور منع ځندي کړي واي در رسول الله ﷺ پټه خوله پاته کيدل ددي کار دصحيح کيدو دليل دی.

### په روحانيا دوياتوسره د علاج طريقه:

کم سري چي په الهی (روحاني) ادوياتوسره علاج کول غواړي نوده ته پکار ده چي دهرڅه مخکي خپله عقیده خالصه اوپخه کړي که نه وي نوهيڅ فايده به ورته ونه رسيري کله چي فايده ورته ونه رسيري نو دخپل ځان څخه ماسوا دي څوک دي نه ملامته وي. ځکه دواهم هغه وخت فايده کوي چي کله معده جوړه صحيح وي او که معده صحيح

کار نه کوي نو دوا هم فايده نه کوي. تاسو ته معلومه ده چې په جامو باندې رنگ هغه وخت بڼه سم راځي چې کله جامي بڼه پاکي او مضبوطة وي. په خرابه او کمزوري جامه باندې رنگ سم نه راځي نو دلته نقصان درنگساز نه بلکې د جامي دي. همداسې مثال د عقيدې هم دي چې کله عقیده جوړه اوسمه وي نور روحاني دوائې فايده ورته رسوي او کله چې عقیده سمه نه وي نور روحاني دوا هيڅ فايده نه رسوي. کله کله داسې هم وي چې دسري عقیده سمه وي ليکن هغه بيا هم علاج نه کوي ددې وجه داده چې هغه سري په غفلت ناخبرتيا بې دلي (چې د زړه اخلاص پکښې نه وي) سره دعا کوي، يا د حرامو وغيره څخه پر هيز نه کوي. کله کله داسې هم وي چې يوسري ديو مرض دپاره دعا کوي او بل مرض چې دې دهغه په شتون ناخبره وي ددې دعا په برکت سره ليري کيږي بنده دافکر کوي چې زما د عانده قبوله سوي، ځکه د حديث شريف مضمون دي چې دعا او بلا په خپل منځ کي يودبل سره غير باسي (کشتي کوي) دعا غواړي زه غالبه سم او بلا غواړي چې زه غالبه سم او دعادي ته شکست ورکوي او دغه رنگه درقيامته پوري جنگ کوي. د معالجات روحاني په ذريعه علاج کول دهر چا څخه بڼه نه دي بلکه داسې علاج دعا عالم، متقي، او دينداره سري څخه کول پکار دي. ځکه چې دنیکا نو خلقو په ژبه کي الله تعالي □ يو تاثير هم ايښي وي او ددې خلقو دعا هم الله تعالي □ قبلوي دا الله تعالي □ په فضل او کرم سره ددو ايانو او داروگانو او د طب حصه سرته ورسیده اوس دقرآني آياتونو او احاديثو د دعاگانو حصه شروع کيږي.

دا الله □ بنده محمد رفیق کاکاخیل عفا لله عنه

اوله حصه ختمه سوه:

دويمه حصه:

دالله تعالیٰ په نومونوسره علاج كول:

په دعاويلوسره دتبی علاج:

علاج: په مشكوة شريف كي راغلي دي چي په چاتبه راسی نوپه هغه دي دادادم كرل سی. ناروغ ئي خپله هم پر خپل خان ويلي سی. دعاداده: وعن ابن عباس أن النبي صلى الله عليه و سلم كان يعلمهم من الحمى وم الأوجاع كلها أن يقولوا بسم الله الكبير أعوذ بالله العظيم من شر كل عرق نعار ومن شر حر النار (ترجمه) شروع كوم دالله په نوم سره دلوي رب خخه پناه غواړم اوداوردگرمي خخه اودهري لمبي والاورخخه.

دسترگي دتکليف دعا:

علاج: امام جزری په حصن حصين كي ليکلي دي چي دچاسترگي خوړوي هغه دي دادعاوئي اودم دي كي دعاداده: اللهم متعني ببصري واجعله الوارث وارني في العدو وتاري وانصرني علي من ظلمني. (ترجمه) اي الله په زمابينا ئي باقی وساتي اوددبنمن په مقابله كي زمابدله راكړي اوچي په ماباندي ظلم كوي دده مقابل زمامددوكړي.

## د عاموناجوريو دپاره دعا:

علاج: صاحب سفر السعادة دابوداودخه روايت رانقل کړي  
 دی چې مادرسول الله ﷺ څخه اوریدلي دي چې څوک ناروغ  
 وي هغه دي دادعاوائي: ربنا الله الذي في السماء تقدس اسمك  
 أمرك في السماء والأرض كما رحمتك في السماء فاجعل  
 رحمتك في الأرض و اغفر لنا ذنوبنا وأنت رب الطيبين أنزل  
 رحمة من رحمتك وشفاء من شفائك على هذا الوجع  
 (ترجمه) ای زماخدايه چې ستانوم مقدس دي اوستاحکم په  
 مځکه اواسمان کي جاري دي څرنگه چې په آسمان کي  
 ستارحمت دي دغه شان په مځکه باندي هم خپل رحمت نازل  
 کړه پاک ئي دخلگورب ئي دخپلورحمتونوڅخه رحمت  
 اودخپل قدرت څخه شفاء راکړي په روايت کي ددي څخه  
 ورسته ليکلي دي چې کم سړی چې دادعاووائي الله  
 تعالي ﷻ به هغه ته شفاء ورکړي اوکهدچاپه پښتورگی کي  
 ډبره وي اوبولي ئي بندي سوي وي نودهغه دپاره هم  
 دادعاپيره مفیده ده.

## دماړخوړلي دپاره دعا:

علاج: په صحيح مسلم کي دابوسعيد خذري رضی الله تعالي  
 عنه څخه روايت دي چې دهغه حاصل دادبي چې دصحابه  
 وويوجماعت يوکورته ولاړي چې دهغه کورمالک  
 مارخوړلي وودکورخلگوصحابهکراموته وويل چې تاسوددی  
 علاج وکړي اصحابی کراموورته وويل چيکه ستاسومشر  
 جوړسي نوڅه شی به راکړي کوروااورته وويل چې  
 يوډنگرديبزو به درکړو(په بعضي رواياتوکي راغلي دي چې

دبیزو تعداد دیرش وو) په صحابه کرامو کي یونفر دهغه کور و الا دپاره سورة فاتحه (الحمد لله شريف) وويل او پر دم ئي کړه او مار خور لي جوړ سو. صحابه کرام چي بيرته راوگرځيدل نور رسول الله ﷺ ته ئي ټوله واقعه بيان کړه رسول الله ﷺ ورتهو ويل چي تاسو د پير بنه وکړه. ليکن تاسوته داڅنگه معلومه سوه چي سورة فاتحه دمار خور لي دپاره دم دي؟ بياني و فرمايل چي دغه بيزي په خپلو کي سره تقسيم کړئ اوز مور حصه هم پکښي مقرره کړي. فايده ددي حديث شريف څخه دا معلومه سوه چي کوم علاجونه دقرآن او حديث شريف څخه ايستل سوي دي که په دي باندي څوک اجرت اخلي نوهيڅ تاوان نسته او دغه اجرت پاک او حلال دي.

## دقران کریم څخه دجسماني اوروحاني ناروغيو علاج:

علاج: قران کریم دروحاني او جسماني دواړو ناروغيو دپاره فايده منددي ځکه په ابن ماجه کي دحضرت علي رضي الله تعالي عنه څخه روايت دي چي قران درتولو بهتره دوا ده. او امام بهيقي وائله بن اسقع څخه روايت کړي دي چي يوسړی ورسول الله ﷺ ته دحلق ددر دشکاييت وکړي هغه ورته و فرمايل چي دقران تلاوت خپل طريقه او عادت جوړ که. ابن ماجه او ابن مردويه دحضرت ابوسعيد خدری رضي الله تعالي عنه څخه روايت کړي دي چي يوسړي دخپلي سيني ددر دشکاييت ورسول الله ﷺ ته وکړي هغه ورته و فرمايل قران شريف وائي ځکه چي الله تعالي ﷻ فرمائي دي چي قران

شريف ددي ناجوري دپاره شفاء ده كمه چي ستاپه سينه كي ده.

### دسوره فاتحي خاصيتونه:

علاج: سورة فاتحه دهر مرض دپاره مفیده ده ځکه په بعضي احاديثو کي راغلي دي چي په سورة فاتحه کي سوادمرگ څخه دهرې ناجوري څخه شفاء ده. اوبيهقي دحضرت ابوسعید خدری رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړي دي چي سورة فاتحه دزهرو دواده رسول الله ﷺ ماته ارشاد او کړي چي هر کله ستاسو د بیده کیدو اراده وي نو سورة فاتحه او سورة احد وایاست. ددي په برکت به دمرگ څخه ماسو دهرې بلا څخه محفوظ یاست. امام جزري په خپل کتاب کي لیکلي دي چي که یوسړی لیوني سی نو په دغه سړي باندي دردرې ورځو پوري سهار او ماښام درې واره سورة فاتحه وایاست او پردم کوئ ئي.

### دلیونتب ليري کولو عمل:

علاج: صاحب اتقان کي دایبکعب رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي زه یوه ورځ درسول الله ﷺ په وړاندي حاضر وم چي یو اعرابی (صحرائی) راغي او عرض ئي وکړي چي زما ورور ناروغ دي رسول الله ﷺ پوښتنه ځني وکړه چي څه ناجوري ئي ده؟ هغه وویل چي زما ورور لیوني سوي دی. رسول الله ﷺ وفرمائل چي ماته ئي راوله هغه ولاړي ورور ئي راوستي رسول الله ﷺ هغه ځانته کښینوي اوده ته

مخامخ ئي سورة فاتحه اوڅلور اولني اياتونه دسورة بقرې ولوستل تر مفلحون پوري الهکم اله واحد او يوايات ايات الكرسى اودري اياتونه اخرى دسورة بقرې او يوايت سورة ال عمران دشهدالله څخه تر حکيم پوري او يوسورة اعراف دان ربکم څخه تر رب العلمين پوري او يوايت دسورة الجن وَأَنْهَتَعَالَى جُدُّ رَبِّنَا مَا اتَّخَذَ صَاحِبَةً وَلَا وَلَدًا اودري اياتونه دسورة صفت تر عذاب پوري اودري اياتونه سورة حشر او قل هو الله او معوذتين قل اعوذ برب الفلق او قل اعوذ برب الناس دا اياتونه ئي پردغه سړي وه ولوستل اودغه سړي په دغه وخت کي داسي جوړسولکه گرسره چي ناجوري سوي نه وي.

### دهر قسم در ددياره عمل:

علاج: امام جزري په خپل کتاب کي ليکلي دي چي دکم سړي يوځايدر شروع کي نوده ته پکار ده چي خپل راسته لاس در دپرخاي باندي کښيږدي او اووه واره دادعاووايي اوهر واردي لاس پورته کوي دعاده: بسم الله اعوذ بعزة الله وقدرته من شر ما جدمن وجع هذا (ترجمه) شروع کوم په نامه دالله □ سره پناه غواړم په عزت او قدرت دالله □ سره دخپل در داو تکليف څخه په کوم کي چي مبتلاء يم.

### دپير امر اضودپاره دعا:

علاج: په حديث شريف کي راغلي دي چي کله رسول الله □ ناروغه سونو جبرائيل عليه السلام دادعاويله

بسم الله ارقيك من كل شئ يوذيكمن شر كل عين حاسد الله  
يشفيك بسم الله ارقيكترجمه) شروع كوم الله □ په مبارک  
نامه سره زه ستاحفاظت كوم الله □ دي تاته دهر تکليف  
ورکونکي شى او هري حسد کونکي سترگي دحسد او شرڅخه  
شفاء درکړي الله □ په مبارک نامه سره ستاحفاظتکوم.

### دلرم خوړلي دپاره دعا:

علاج: په مستدرک ابي شيبه کي د عبدالله بن مسعود رضی الله  
تعالی عنه څخه روایت دي چي رسول الله □ په لمانځه  
ولاړوولرم پر گوته وخوړئ کله چي دلمانځه څخه فارغ  
سوئي فرمائل چي الله □ دي لعنت په لرم وکي ده نه دامت  
نبی □ پريښودي نه ئي بل څوک ورسته به ئي په اوبوکي  
مالگه واچول او گوته به ئي پکښي ونيول. اوسوره  
احداومعونتین به ئي ويل شروع کړه تر هغه وخته پوري چي  
دردختم کيدي. په بعضي رواياتوکي ددي علاج سورة فاتحه  
اووه ځله ويل هم راغلي دي. په بعضي رواياتوکي راغلي دي  
چي رسول الله □ په خدمت کي يوصحابی رضی الله تعالی  
عنه عرض وکي چي يارسول الله □ زما دلرم دم زده دي  
رسول الله □ چي داووريدل نووئيويل چي دا عمل کوئ  
اوخلگوته فايده ورسوي. هغه دم دادي:

بسم الله شجة قريية ملحة يجر اقفطاً: دادم ديرويل اوپرلرم  
خوړلي ځاي باندي ئي دم کوئ. فايده: ددي دم معني اگرکه  
مورته نه ده معلومه مگر چي رسول الله □ واوريدي  
نودويلواجازه ئي ورکړه نوپه دي سره په علاج کولوکي هيڅ



نقصان نسته. کچيري په دي کي دشرک څه شبه وائي  
نورسول الله ﷺ به هيڅ کله هم اجازه نه وائي ورکړي.

### د زخم اودانو علاج:

علاج: که دچاپر بدن باندي زخم ياداني وي نو بايدچي دشهادت  
گوته پرمخکه باندي کيردي اوبيائي راپورته کړي اوپرزخم  
باندي ئي کنبيردي اوداعاوائي: بسم الله تربة ارضنا بريقة  
بعضنايشفيسقيمناباذن ربنا(ترجمه) شروع کوم دالله ﷻ په نامه  
سره چي دمخکي خاوره چي په مورکي دچاناروسره يوځاي  
سي نوزموررب شفاء ورکوي. څوک چي هره ورځ دا عمل  
کوي انشاءالله جوړبه سي. په مسلم شريف اونورو کتابوکي  
دحضرت عائشي رضی الله تعالی عنها څخه روايت دي چي  
يوسري درسول الله ﷻ په خدمت کي حاضر سواورته وئي  
ويل چي يارسول الله ﷻ دکوم وخت څخه چي مسلمان سوي يم  
دهغه وخت څخه مي په بدن کي درد پيدا سويدي رسول  
الله ﷻ ورته وفرمائل چي ددرديرځاي باندي لاس کنبيرده  
اودري واره بسم الله او اووه واره اعوذ بالله وقدرته من شر  
ماجدواحضر ووايه.

### د طاعون اوباعلاج:

علاج: په بعضباحاديثوکي راغلي دي چي رسول  
الله ﷻ فرمائي دي چي طاعون يوقسم عذاب دي چي په بني  
اسرائلواوپه تيروسووامتونوباندي راليرل سوي وه. کله چي  
سري په دي څير سي چي په فلان ځاي کي وباراغلي ده  
بايدهغه ځاي ته سري ورنه سي اوکه په هغه ځاي کي چي

سري اوسيري طاعون و بانازله سي بايدور خخه ولاړنه سي. فايده: دطاعون خخه دلته وبامراده لکه څرنگه چي په صراط المستقيم کتاب کي راغلي دي. ددي حديث شريف مفهوم دادې چي وباهم يوقسم عذاب دي چي الله ﷻ ئي دگناهونوپه وجه نازلوي کله چي معلومه سي چي فلاني ځاي کي و بانازله سوي ده نوهلته دي سري نه ځي ځکه په قصد سره ځان په هلاکت کي اچول جائز نه دي. اوکه په هغه ځاي کي اوباراسي چيري چي سري اوسيري دهغه ځاي څخه بل ځاي ته تلل هم نه دي پکار ولي چي دتقدير الهي څخه تينسته کول هم بڼه نه دي. بلکه په بعضي احاديثو کي راغلي دي چي دطاعون په مرگ سره دمسلمان مرگ د شهادت درجه لري. په بعضي احاديثو کي راغلي دي چي وباو طاعون دشيطانانو او پيريانانو نشتر دي. يعني دوي دانسانانوپه بدن کي نشتر ووهي چي دهغه په وهلو سره دانسان په بدن کي زهر وپاشل سي او انسان مړ سي. زماگرانوور نو دامکان تر حده دگناهونو څخه خپل ځانونه وساتي. په حديث شريف کي راغلي چي په کوم قوم کي زنا وواج سي نو په دغه قوم کي مرگ عام کړه سي ددي حديث شريف څخه معلوميري چي دوبايري کولو تر ټولو بڼه علاج توبه او کثرت استغفار دي. دسکنجبين او گلابو د شربت په ځاي باندي ددعاشربت څينيل پکار دي. په حديث شريف کي راغلي دي چي څوک پر ځان باندي استغفار لازم کړي نو الله ﷻ ورته دهر غم او تکليف څخه نجات ورکوي. په بعضي احاديثو کي راغلي دي چي نازلي سوي بلاگاني او هغه چي نازلي سوي نه دي هغه ټولي الله تعالي ﷻ ددعا په برکت سره ليري کوي. دوبا په ورځو کي بايد صدقي او خير اتونه ډيروي سي. په

حديث شريف كي راغلي دي صدقه الله تعالى □ غصه او قهر سروي په دغه ورځو كي دآلوبخاري ددانوپرځاي سبحان الله په خله كي كيږدي ځكه چي په حديث شريف كي راغلي دي چي سبحان الله ويل سري الله □ دعذاب څخه ساتي. اوداهم ضروري ده چي اطاوووئيلي دي چي دوباپه زمانه كي عطر، عنبر، اومشك، وغيره بويول پكار دي. ليكن علماووليكلي دي چي په دغه دوران كي ددي بويولوپرځاي دردشريف په كثرت سره ويل پكار دي ځكه دا پير مفيد دي. په حديث شريف كي راغلي دي چي درودويل غم ختم كوي. لاحول ولا قوة الا بالله العلي العظيم. ويل هم لازمي دي. ځكه په حديث شريف كي راغلي دي چي داديوسل ناروغيو دواده. دوباپه ورځو كي لمنځونوته هم بايد جدي پاملرنه وسي ځكه كله چي به رسول الله □ ته كم غم راوراندي سونونفل لمنځونه به ئي په كثرت سره كول. په دغه ورځو كي دكافور پرځاي تقوي بوي كوي. ځكه ددي په بركت به موالله تعالى □ دټولوبلاگانو څخه محفوظ وساتي. دا علاج چي پورته ذكر سورو حاني اواصلي علاج ووليكن لرجسماني علاج دطب هم بيانوو.

### دوباطبي علاج:

دوباپه ورځو كي بايد سري لاندي تدابير په فهم كي ونيسي. په داسي ځاي كوركي وه اوسيرئ چي هوئي خلاصه وي، اوسايه ولري، خوشبوياني لكه كافور، مشك، عنبر، عود، او عطر بويول په غذاكي سرکه، ليمبو، اوسكينجبين وغيره استعمالول. په كوركي عود او كافور دودول. سرکه او عرق گلاب په ټولو كنجانو كي

پاشل. تڪول سوي پياز په تاخچوڪي ايسنودل. اوپه هواڪي  
ڊيرنه گر حيدل. كه دضرورت په بناءيوې خواته سفر وي  
نوخله اوپزه او غورونه دي په يوه جامه ٽينگ پٽ ڪي. دحان  
سره عطر سائل. ددي موسم دسبزيجاتو او غوبنوڅه  
پر هيز ڪول.

## دسحر جادو علاج:

علاج: په حديث شريف ڪي راغلي دي ض چي لبيدين  
عاصم يهودي په رسول الله ﷺ جادو ڪري وو. چي په نتيجه ڪي  
رسول الله ﷺ بيمار سوپه بعضي رواياتو ڪي راغلي دي چي دي  
مبارڪ شير مياشتي نارو غه وو اوپه دي وجه رسول الله ﷺ ڊير  
ڪمزوري سوي وويوه ورځ ئي په خوب ڪي دوي فرشتي  
وليدې چي يوې دبلي څخه پوښتنه وڪره چي در رسول الله ﷺ څه  
ناچوري ده؟ هغه بلي جواب ورڪي چي په رسول  
الله ﷺ جادو سوي دي. اولي بيا وويل جادو چاهه ڪري دي؟ دوهمي  
وويل لبيدين عاصم. اولي بيا پوښتنه وڪره چي دجادو اثر په څه  
شي باندي دي؟ دوهمي وويل چي در رسول الله ﷺ دسر په  
ورينتانو ڪي اوڌ مونڱ په غابنو ڪي دولس غوتي ئي ورڪري  
دي او دخرماپه غلاف ڪي ئي ايسني دي او دوزران په څاهه ڪي  
ئي در ڊبره لاندي بنځ ڪري دي. ڪله چي رسول الله ﷺ سهار  
رابيدار سونوسره داصحابو رضی الله تعالى عنهم اجمعين ئي  
ودغه څاهه ته تشریف راوري. دوه صحابيان ودغه څاهه ته  
ورڪنښته سوه. هغه ڪوڊي او جادوئي پيدا ڪري اورا وئي  
ڪنڊلي. بعضي خلقو ويلي دي چي دادوه صحابيان حضرت  
علي رضی الله عنه او حضرت عمار رضی الله تعالى عنه  
وو. په فتح الباري ڪي راغلي دي چي په دغه جادو ڪي

در رسول الله ﷺ موموشکل جورسوي وواوپه دي کي ستنی چخل سوي وي. کله چي ستن يوه يوه حُني ايستل کيدل هلته به در رسول الله ﷺ بدن مبارک ارام پيداکوي. او هغه دولس غوتي چي ورکول سوي وي هغه چا نه سواي خلاصولاي حُکه نوجبريل عليه السلام معوذتين راوړل (قل اعوذ برب الفلق او قل اعوذ برب الناس) اووي فرمائل چي په دي دواړوسورتوکي دولس اياتونه دي پردغه غوتوئي دم کړي ددي په برکت سره به داغوتي خلاصي سي دحديث مضمون ختم سو. په بعضي رواياتوکي دکعب احباررضي الله تعالی عنه حُخه روايت دي چي که ماداکلمات سهاراومانام نه لوستلای نو يهودانوبه زماخه دکوډواو جادوپه ذريعه سپي ياخرجورکړي واي فايده: کعب رضياالله تعالی عنه چي هر کله مسلمان سونويهودان دده دبنمان سوه اوپه ده پسي سول نوده دا کلمات لوستل شروع کړهاو ديهودانودشر حُخه محفوظ سو. دعاداده:

اعوذ بالله بكلمات التامات التي لا يجاوزهن بر ولا فاجر  
واعوذ بوجهه العظيم الجليل الذي لا يختصر جاره الذي يمسك  
السماء ان تقع علي الارض الاباذنهم شر التامة ومن شر  
ماذرافي الارض ومن شر ما يخرج منها ومن شر ما ينزل من  
السماء وما يعرج فيها ومن شر كل دابة انت اخذ بناصيتها  
ربي علي صراط مستقيم.

که دادعاڅوک سهاراومانام وائي نودجادو حُخه به محفوظ وي.

## دنمله علاج:

علاج: دنمله یوقسم دانی دی چی دسری په بغل کی وی ددی سره سری ته داسی محسوسیری لکه په زخم کی چی میری گرخی ددی علاج څنگه چی په ابوداود کبني دشفابنت عبدالله څخه روایت دي چی یوه ورځ حضور کورته تشریف راوړي دغه وخت زه دحضرت حفصی رضی الله تعالی عنها سره ناست وم ده ماته اوفر مائل چی ته حفصی رضی الله تعالی عنها ته دنمله منتر ولی نه وربنوی. څرنگه چی تالیکی اوزده کړي دي دنمله دپاره دعاداده.

بسم الله صلت حتي تفور من افواههم الهم اكشف الباس رب الناس: داداچی په یولرگی باندي وویل سی بیایوه تیزه سرکه راواخلي اوپه ډبره باندي توی کړی اودالرگی په ډبره باندي اومړي اوبیائی په هغه په هغه دانو پوري کړي. ددی حدیث شریف څخه دامعلومه سوه چی دبنخی دپاره ئی لیکل اوزده کول مکروه نه دي.

## دنقصان لري کولو علاج:

علاج: که دیوچاڅه نقصان وسي نو دا کلمات دوائی ددی په برکت سره الله □ ده ته نعم البذل و رکړي هغه دعاداده:

انالله وانا اليه راجعون الهاجرني من مصيبتى واخلف لى خير امنها: فايده: ام سلمة رضی الله تعالی عنها اولني خاوندته يعني ابوسلمة ته دادعا وربنودلي وه نوالله □ ده لره ددی شی

خخه بهتر ورکړه ام سلمه رضی الله تعالی عنها فرمائي دي چې ما پخپل زړه کي دافکر کوي چې ماته درابوسلمه رضی الله تعالی عنها بهتر خاوند خو کر ا پیدا کړي ددې واقعي یو خو ورځي ورسته چې رسول الله ﷺ زما سره نکاح وکړه په دغه وخت کي ماته معلومه سوه چې داددې دعا برکت دي چې اوس بنکاره سو.

### دنظر کیدلو علاج:

علاج: دانسان په سترگو کي هم یو قسم زهر موجود دي لکه خرنگه چې لږم نیش جگوي اودمار په ژبه کي زهر دي ددې په شان دانسان په سترگو کي هم زهر دي اودهغه زهر نظر کیدل دي اونظر صرف په انسان باندي نه بلکي په هر شی باندي لکه په اولاد، خناور، باغ، دولت، اسباب، وغیره باندي هم اثر کوي. ځکه خوالله تعالی ﷻ دخپل نازولي پیغمبر رسول الله ﷺ په ژبه ددې علاج هم خپل امت ته وربښودلی دي ددې دپاره چې دالله ﷻ مخلوق ددې څخه فایده حاصله کړي. حضرت حسن بصري رضی الله تعالی عنه ویلي دي چې که څوک دخپل ځان دنظر کیدو څخه بیریري نو هغه سړی دي دسورة ن دا آیات وائي اودري واره دي پر ځان باندي دم کوي:

وَإِنْ يَكَادُ الَّذِينَ كَفَرُوا لَيُزْلِقُونَكَ بِأَبْصَارِهِمْ لَمَّا سَمِعُوا الذِّكْرَ وَيَقُولُونَ إِنَّهُ لَمَجْنُونٌ 51 وَمَا هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ لِلْعَالَمِينَ: که یو چاته دبل سړی اولاد، باغ، دکان، حیوان، یا بل شی په نظر ښه ورسې نو دادعادوائي ماشاء الله لاحول ولاقوة الا بالله العلي العظيم. ددې په برکت به هغه شی نه نظر کیري. په کتاب

صراط المستقیم کی لیکلی دی چي امام ابو القلم قشيري فرمائی دی چي زمزوي یووخندیر سخت ناروغه سوحتي چي مرگ ته نزدی سوم اتفاقاً راته په خوب کي در رسول الله ﷺ زیارت حاصل سو دهلک دناروغی شکایت می و رسول الله ﷺ ته وکړي هغه راته و فرمائل چي ددی آیات دشفاء څخه ولي غافله ئي؟ آیات شفاء: ۱ وَيَسْفِ صُدُورَ قَوْمٍ مُؤْمِنِينَ ۲ وَشِفَاءَ لَمَّا فِيالْصُّدُورِ ۳ يَخْرُجُ مِنْ بُطُونِهَا شَرَابٌ مُخْتَلِفٌ أَلْوَانُهُ فِيهِ شِفَاءٌ لِلنَّاسِ ۴ وَنَزَّلُ مِنَ الْقُرْآنِ مَا هُوَ شِفَاءٌ وَرَحْمَةٌ لِّلْمُؤْمِنِينَ ۵ وَإِذَا مَرِضْتُ فَهُوَ يَشْفِينِ ۶ قُلْ هُوَ الَّذِي يَهْدِي وَشِفَاءً: نومادا آیاتونه و لیکل اوپه ابوکیمی و یلیکړه اوپه زوي می وڅینل ددی په برکت سره هغه داسی جوړ سولکه گرسره چي ناجوری سوي نه وي. یو عالم عبدالله ويلي دي چي زما سره یوتیز اوچالاک اوبن و و اتفاقاً په یومنزل باندي می دتاکیدواراده سوه نوماته یوچاوویل چي دلته یوسری دي چي په نظر کولوکي ډیر مشهور دي اوستا اوبن ډیر بنه دي هسی نه چي درنظر ئی کړي اوستا اوبن ضائع سی؟ مایه جواب کي ورته وویل چي زما په اوبن دهغه نظر تاثیر نه سی کولاي اتفاقاً هغه سري زما په دی خبره خبر سوي وونوراغي اوزما اوبن ته ئی یونظر وکتل دکتلوسره یوځاي دستي اوبن پریوتی اوپه لغتو و هلوئی شروع وکړه خلگوراته وویل چي ستا اوبن نظر سوماهغه سري راوبلي اوځان ته می نږدی کښینوي اودادعایي وویل:

بسم الله حبس حابس و شجر یابس شهاب قابض رودت عین العائن علیه و علی احب الناس الیه فارجع البصر هل تری من فطورثم ارجع البصر کرتین ینقلب الیک البصر



خاساڻو هو حسير: ددي منتر په ويلوسره دهغه چپه سترگه ووتله اوز ماوښن جوړسو. ددي قصي د بيانولو څخه مقصد دا ډيچي منتر هم په نظر کولو کي مفيد ډياگرکه نظر کونکي نزدي نه وي موجودولي چي د الله ﷻ په نامه کي ډير برکت دي.

### د بدنظر علاج:

مالک ليکلي دي چي عامر بن ربيعه رضی الله تعالی عنه يووخت سهيل رضی الله تعالی عنه بن حنيف په اوبازي کولو وليدي اودائيوويل چي په خداي قسم دي چي ماداسي بدن نه دسري ليدلي دي اونه دبنخي په دي ويلوسره دستي سهيل رضی الله تعالی عنه بي هوښه سواو غځار سوکله چي رسول الله ﷺ په خبر سونوو عامر رضی الله تعالی عنه ته يي خشکه وکړه اوورته وئي فرمائل چي خپل مسلمان ورورولي هلاکوي؟ اوتادده دپاره دبرکت دعاولي نده کړي؟ کله چي ستانظر دده په ښکلي بدن باندي ولگيدي نودادعاديولينه ويل: اللهم بارک عليه: که دي دادعاويلي وائي نودي به نه نظر کيدلاي بيائي وفرمائل چي ته اوس خپل اندامونه، مخ، لاسونه، پښي، اواستنجاء په يوه لوبښي کي پريمنځه او هغه اوبه پر سهيل رضی الله تعالی عنه باندي واچوه. ددغي طريقې په عملي کولو سره سهيل رضی الله تعالی عنه په هوبښ کي راغي او ولاړسو. نور عمليات هم د بدنظر په حق کي زماپه بل کتاب (حاجت روا) کي چي نوراني کتب خاني چاپ کړي دي وگورئ. دطب په باره کي مي هم نور کتابونه ليکلي دي لک طب اکبر، طب روحاني، اونور ډير کتابونه.

## دبدنظر زخم:

علاج: که څوک نظر سي نوبايډدادعاووائی: بسم الله الهم اذهب  
 حر هاو بر دهاو صبها: که يو حيوان نظر کړل سوي وي  
 نوڅلور واره دي په راسته سرمه کي اودري واره دي په چپه  
 سرمه کي ورچف کړي ورسته دي دادعاووائی:

لاباس اذهب الباس رب الناس اشف انت الشافي لايشف  
 الضر الا انت:

## دهر قسم بلا او آفتونو څخه دحفاظت دعا:

علاج: هر سړی چي سهار او ماښام دادعاووائی نو هغه به دهر  
 مصيبت او آفتڅخه دالله □ په امن او پناه کي وي دعاداده:

الهم انت ربي لاله الا انت عليك توكلت وانت رب العرش  
 الكريم ماشاء الله كان وما لم يكن اعلم ان الله علي كل شيء  
 قدير وان الله قداحاط بكل شيء علماً اللهم اني اعوذ بك من  
 شرنفسی ومن شر كل دابة انت اخذبنا صيتها ان ربي على  
 صراط مستقيم:

روايت دي دابوداود دصحابي رضی الله تعالی عنه څخه  
 يو چاورته وويل چي ستا په کور کي اور لگيدلي او سوځيدلي دي  
 ابوداود وويل چي زما کورنه سي سوځيدلاي ځکه چي زه  
 دادعا دهغه وخته څخه هره ورځ وایم دکوم وخت څخه چي  
 مي درسول الله □ څخه اوريدلي ده ځکه زما کور نه سي  
 سوځيدلاي هغه چي کورته وکتل دکور په شاه وخواه کي  
 څلور طرفه اور بل وواوپه منځ کي ئي دهغه کور الله  
 تعالی □ محفوظ ساتلي وو.

## دغم اوفکر ليري کولو دپاره دعا:

علاج: په صراط المستقيم کي ليکلي دي چي کوم سړی سهار اوماښام دادعاوه واره وائي نوالله تعالیٰ به ده ته دغم اورنځ څخه نجات ورکړي دعاداده:

حسبى الله لا اله الا هو عليه توكلت وهو رب العرش العظيم:

## د حاجت پوره کولو دپاره دعا:

علاج: که دچاڅه حاجت وي نوده ته پکارده چي دردولس ورځو پوري دولس سوه واره ۱۲۰۰ دادعاو وائي الله به دده حاجت ورپوره کړي دعاداده: يابديع العجائب بالخير يابديع:

## د لیونی سپی دخور لودپاره دعا:

که کوم سړي لیونی سپی ودری نو هغه لره پکارده چي درڅلویښتوورځو پوري هره ورځ ددوی په یوه تکره باندي دآیات ولیکي اووي خوري انشاءالله دهغه دشره به محفوظ سي: اِنَّهُمْ يَكِيدُونَ كَيْدًا 15 وَ اَكِيدُ كَيْدًا 16 فَمَهْلَاكَافِرِينَ اُمَّهْلَهُمْ رُوَيْدًا:

## د ماشومانو د حفاظت عمل:

علاج: په القول الجميل کي ليکلي دي چي هرڅوک چي داتعويد وليکي اود ماشوم په غاړه ئي وروځروي انشاء الله الله به ئي په خپل حفاظت او امن کي وساتي. هغه دعاداده:

بسم الله الرحمن الرحيم اعوذ بكلمات التامة من شر كل شيطان وهامة وعين لامة وحصنت لحسن الف لاف لاف لاقوة الابالله العلي العظيم.

## دآسب ليري كولو علاج:

علاج: په القول الجميل كي ليكلي دي چي هر څوك چي داتعويز وليكي اوآسب وهونكي ته ئي ورپه غاړه كړي ياهغه ماشوم چي شيطان ئي په عذابه وي په چپه غوركي دداآيات شريف ووائي اوچپ دي كړي هغه تعويز اودعداده بسم الله الرحمن الرحيم وَلَقَدْ فَتَنَّا سُلَيْمَانَ وَأَلْفَيْنَا عَلَى كُرْسِيِّهِ جَسَدًا ثُمَّ أَنَابَ: انشاء الله الله □ به ئي په خپل حفاظت اوامن كي وساتي.

## دجسم دحفاظت دپاره دعا:

علاج: په ابوداودكي داروايت دي چي رسول الله □ خپلي لورته دادعاوربنوولي وه چي څوك ئي سهار اومابنام وائي نو دالله □ په پناه كي به وي دعداده:

سبحان الله وبحمده لا قوة إلا بالله ما شاء الله كان وما لم يشأ لم يكن أعلم أن الله على كل شيء قدير وأن الله قد أحاط بكل شيء علما:

## دقرض داداكي دپاره دعا:

علاج: ابوداودپه خپل سنن كي دابوسعيدخري رضی الله تعالی عنه څخه روايت كړي دي چي در رسول الله □ په خدمت كي يوسرى حاضر سواو عرض ئي وكړي چي يارسول

الله ﷻ زه قرض او غموډير تنگ کړي يم ماته ددي يو علاج  
 راوښيه رسول الله ﷻ ورته وفرمائل چي زه به تاته داسي  
 کلام وښيم چي تاسوئي وايست نواالله ﷻ به غم درڅخه ليري  
 کړي او قرض به دي هم ادا کړل سي هغه عرض وکړي چي  
 ضرور ئي راوښيه نور رسول الله ﷻ ورته وفرمائل چي دادعا هر  
 سهار او ماښام وايه:

اللهم اني أعوذ بك من الهم والحزن وأعوذ بك من العجز  
 والكسل وأعوذ بك من الجبن والبخل وأعوذ بك من غلبة الدين  
 وقهر الرجال "هغه سري ويلي دي چي كله مادادعا شروع  
 كړه نواالله ﷻ زما غمونه ليري كړل او پورونه مي ادا سول .

### دغم او فكر دپاره دعا:

علاج: درسول الله ﷻ ارشادگرامي دي چي څوك سهار  
 او ماښام دادعا وائيالله ﷻ به دده غم او فكر ليري كړي.

الهم ما أصبحت منك في نعمة وعافية وستر فاقم علي نعمتك  
 وسترک في الدنيا: يوسرى درسول الله ﷻ په خدمت كي حاضر  
 سوويل ئي زه هر وخت په بلاوو او آفتونو كي  
 راگيريم. رسول الله ﷻ ورته وفرمائل چي سهار او ماښام  
 دادعا وايه:

بسم الله علي نفسي واهلي ومالي.

## دشيطان څخه دحفاظت دعا:

علاج: په ابوداودکي روايت دي چي څوک په مسجد کي داخل سي اودادعاووائي نوشيطان وائي چي داسري نن زماشر څخه محفوظه سودعاده:

أعوذ بالله العظيم وبوجهه الكريم وسلطانه القديم من الشيطان الرجيم "

## دبدن دروغوالي دپاره دعا:

علاج: هر څوک چي دخپل بدن خيراوعافيت غواړي هغه ته پکاردي چي سهار اوماښام دادعاووائي ددي دعاپه برکت سره به الله ﷻ دي په خپل حفاظت کي ولري دعاده:

الهم عافيني بدني الهم عافيني في سمعي الهم عافيني في بصري لاله الاانت.

## دهر قسم شر اوآفتونوڅخه دحفاظت دپاره دعا:

علاج: که څوک غواړي چي دغرقيدو، سوخيدو، مار، اولرم دخورلواونوروافتونواوبلاگانوڅخه په امن کي پاته سپيکارده چي دادعاهره ورځ په هميشه توب سره ووائي: الهم اعوذبک من التردی ومن الغرق ومن الحرق ومن الهدم واعوذبک من ان يتخبطني الشيطان عند الموت واعوذ بک من ان اموت فی سبيلک مدبر اواعوذبک من ان اموت لديغا: درسول الله ﷻ ارشادي چي څوک هر سهار اوماښام دادعاډري دري واره وائي نوهغه به دتکليف څخه محفوظ کړل سي. دعاده بسم الله لا يضر مع اسمه شئ في الارض ولا في

السماء وهو السميع العليم: روایت دي چي ددي حديث شريف راوي فلج سوي وه خلگوورته وويل چي ته هر ه ورخ دادعاوئي بياته خرنگه فلج سوي؟ هغه په جواب كي ورته وويل چي مابه دغه ورخ چي فلج كيدم ددعاويل هيركري وه.

## دناجوری او غم ليري كيدولودعا:

علاج: په حديث شريف كي راغلي دي چي رسول الله ﷺ ته به كله خه غم اورنخ پيښ سونودادعابه ئي ويله:

لااله الاالله الكريم لاله الاالله العظيم الحكيم لاله الاالله رب السموات والارض ورب العرش العظيم: په جامع ترمذي كي راغلي دي چي كله به رسول الله ﷺ ته يومشکل ورپيښ سونودادعابه ئي ويل: ياحي ياقيوم برحمتك استغيث: په بعضي رواياتوكي راغلي دي چي رسول الله ﷺ به وغمژن خلگوته دادعاكوله: اللهم برحمتك ارجو فلا تكلني الي نفسي طرفة عين واصلح لي شافي كله لاله الاانت: رسول الله ﷺ اسماء بنت عميس رضی الله تعالى عنه ته وفرمائل چي زه تاته داسی كلمي وبنائم چي دغم په وخت كي ئي وائي؟ اسماء رضيا لله تعالى عنها ورته وويل چي هوراته وئي بنائي نورسول الله ﷺ وفرمائل چي دادعاووه واره وايه: الله ربي لا اشرك به شيئاً: اووئي وفرمائل چي ذالنون يعني: لاله الاانت سبحانك اني كنت من الظالمين: هم هر غم اوتكليف ليري كوي اوارشادئي وفرمائي چي خوك استغفار په پائبندي سره وائي نوالله ﷻ به دهر غم خخه نجات وركري او هغه استغفار دادي: استغفر الله الذي لاله الا هو الحي القيوم واتوب

اليه: اوارشادئي وفرمائي چي دادجنت دخزانوڄه يوخزانه ده.

## دهر قسم شر اوبلاڄه دحفاظت دعا:

علاج: علامه سيوطي رح په خپل كتاب الاتقان كي ليكلي دي دحضرت انس بن مالك رضی الله تعالی عنه څخه درسول الله ﷺ حديث رانقل كړي دي چي كله ستاسودخوب اراده وي نوسورة الفاتحه اوسورة احدواياست ددي په برکت به الله ﷻ تاسودمرگ څخه ماسيوادهر آفت څخه محفوظ كړي. دابوهريره رضی الله تعالی عنه څخه په صحيح مسلم كي روايت دي چي په كوم كور كي دسورة بقره تلاوت كيږي هغه كورته شيطان نه داخليري. دارمي رح دابن مسعودرضی الله تعالی عنه څخه موقوفاً روايت كړي دي چي څوك دسورة بقرې اول څلور آياتونه (ترمفلحون پوري) اوآيات الكرسي ترڅلدون پوري اوآمن الرسول ترآخره پوري ووايي نوډده اوډده دعيال شاوخواته په دغه ورځ كي شيطان نه راځي اونه كمه بدي ورته پيښه وه لاي سي. كه هم داغه آياتونه په ليوني باندي وويل سي نوډليونتوب ناروغي ورڅخه ليري كيږي.

## د دعاذالنون دويلوطريقه:

فايده: ذالنون دحضرت يونس عليه السلام لقب دی ده دماهي په خيټه كي دادعاويله چي دهغي په برکت الله ﷻ دماهي دنس څخه رابهرکئ دغم اومصيبت څخه ئي نجات ورکړي ځکه ددي دعانوم دعاذالنون دي څوك چي دادعاوايي نواول دي اودس وکړي اومخ پرقبله په تاريخه خونه كي دي کښيني يوه



کوزه اوبه دي خائنه نږدې کيږدي بيادي دادعاري سوه (۳۰۰) واره درې ورځي يالوه ورځي يالس ورځي ياڅلويښت ورځي ووايي اول واردي لاس په اوبوکي ونيسي اوپه خپله ځله اوبدن دې واچوي دالله ﷻ په فضل اوکرم سره دده څخه به غم ليري کړل سي.

### دخپل ځان او همسايه دحفاظت دپاره دعا:

علاج: محامل په خپل فواندکي دحضرت ابن مسعودرضي الله تعالي عنه څخه روايت کړي دي چي يوسړي رسول الله ﷻ ته عرض وکړي چي تاسوماته يو شي راوښوئ چي دهغه په برکت سره الله ﷻ ماته نفع راوړسوي رسول الله ﷻ ورته وفرمائل چي ته اية الكرسي وايه ددي په برکت سره به الله ﷻ ستاواستاداولادونوحفاظت اونگهباني کوي اوستاواستادهمسايه په کوربه درحمت نظرکوي.

### دنسيان (هيري) دعا:

علاج: دارمي رح په خپل سنن کي دحضرت عبدالله ابن مسعودرضي الله تعالي عنه څخه روايت کړي دي چي کم سړي دبيده کيدوپه وخت کي دسورة بقره لس آياتونه وائي نوالله ﷻ به قران کريم ور حفظ کړي او هيربه ځني نه سي هغه آياتونه دادي داية الكرسي اولني څلور آياتونه تر خالدون پوري اودري اخري آياتونه.

## دقرض داداکیودعا:

علاج: په طبرانیکی دحضرت معاذبن جبل رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي زه تاته داسي دعاوېنایم چیکه پور(قرض) دغره په اندازه هم وي الله تعالی به ئي اداکړي دعاداده: **قُلِ اللَّهُمَّ مَالِكَ الْمُلْكَ تُبِي الْمُلْكَ مَنِ تَشَاءُ وَتَنْزِعُ الْمُلْكَ مِمَّن تَشَاءُ وَتُعِزُّ مَنْ تَشَاءُ وَتُذِلُّ مَنْ تَشَاءُ بِيَدِكَ الْخَيْرُ إِنَّكَ عَلَي كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ 26** تُولِجُ اللَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَتُولِجُ النَّهَارَ فِي اللَّيْلِ وَتُخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيِّتِ وَتُخْرِجُ الْمَيِّتَ مِنَ الْحَيِّ وَتَرْزُقُ مَنْ تَشَاءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ: ورسته دي دادعاوائي: رحمن الدنياوالاخرة ورحيمهماوتعطي من تشاء منهاوتصنع من تشاء ارحمني رحمة تغنيني فيهما من رحمة من سواك.

## دحيوان دسر کبني په وخت کي دعا:

علاج: په بيهيقي کي دحضرت عباس رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي که چاته دخپل حيوان څخه تکليف ورسيري ياسورلي نه قبلوي ياوزن نه پورته کوي نوبايددغه حيوان په غورکي دادعاوائي اوورچف ئي کړي دعاداده: **أَفْعَبِرَ دِينَاللَّهِ يَبْعُونَ وَلَهُ أَسْلَمَ مَنْ فِي السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ طَوْعًا وَكَرْهًا وَإِلَيْهِ يُرْجَعُونَ**. دويم علاج: طبراني په معجم اوسط کي دحضرت انس ابن مالک رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي دچا مري يامنځه سرکبنه وي اودهغه اطاعت نه کوي يادچا اولادسرکبنه وي نودهغه په غورکي دي دادعاوائي اودم دي کړي نوانشاء الله دغلام مينځي او اولادسرکبني به ختم سي اودهغه به فرمانبرداره سي.

## دهر قسم ناجور يو دپاره دعا:

علاج: امام بيهقي رح دحضرت علي رضی الله تعالی عنه څخه موقوفاً روايت کړي دي چي څوک ناروغه وي پرده باندي دي سورة انعام ووائی نوالله ﷻ به ددي دعا په برکت سره شفاء ورکړي.

## دغر قیدوڅخه دحفاظت دعا:

علاج: ابن سني رح دحضرت حسين ابن علي رضی الله تعالی عنه څخه روايت کړي دي چي درسول الله ﷻ ارشاددي چي زمادامت څخه کم سړی په کبنتی کي دسپريدوپه وخت کي دادعا ووائی نو دغر قیدو او دپو بیدوڅخه به په امان سي.

بِسْمِ اللّٰهِمَجْرَاهَا وَمُرْسَاهَا اِنَّ رَبِّي لَغَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ وَمَا قَدَرُوا اللّٰهَ حَقَّ قَدْرِهِ وَالْاَرْضُ جَمِيْعًا قَبْضَتُهُ الْيَوْمَ الْقِيَامَةِ وَالسَّمٰوٰتُ مَطْوِيٰتٌ بِيَمِيْنِهِ سُبْحٰنَهُ وَتَعَالٰى عَمَّا يُشْرِكُوْنَ .

## دجادوليري کولو دپاره دعا:

ابن ابي حاتم دليث څخه روايت کوي چي په چاباندی جادوسوی وي نو دا ایتونه دي په اوبوباندی ووائی اونا جوړه کس دي وپاشی انشاء الله شفاء به پیدا کړي هغه ایتونه دادي: سورة يونس دوه ایتونه دفلما القوه څخه بیا تر مجرمون پوري. یوايات دسورة طه انما صنعوا کیداً ايات تر پايه پوري.

## دپريشانې او تکليف دعا:

علاج: حاکم دحضرت ابوهريره رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړيدي چې در رسول الله ﷺ ارشاددي چې په ماباندی کله څه غم سختي یا پريشانې راسي نوجبريل عليه السلام ماته دغه ويلي دي چې اي محمد ه دادعاووايه. وتوکلنت علي الحي الذي لم يتخذ ولدا ولم يكن له شريك في الملك ولم يكن له ولي من الذل وكبره تكبيرا.

## دغلوڅخه دحفاظت دپاره دعا:

علاج: امام سيوطي رح په خپل کتاب الاتقان کي دابن عباس رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چې در رسول الله ﷺ ارشاد دي چې څوک دادعاوایي نو دده کور به دغلوڅخه محفوظه وي.

ادْعُوا اللَّهَ أَوْ ادْعُوا الرَّحْمَنَ أَيَّمَا تَدْعُوا فَلَهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنَى وَلَا تَجْهَرُوا بِصَلَاتِكُمْ وَلَا تَخَافُتُمْ بِهَا وَابْتَغِ بَيْنَ ذَلِكَ سَبِيلًا 110 وَقُلِ الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي لَمْ يَتَّخِذْ وَلَدًا وَلَمْ يَكُنْ لَهُ شَرِيكٌ فِي الْمُلْكِ وَلَمْ يَكُنْ لَهُ وَّلِيٌّ مِّنَ الذَّلِّ وَكَبَّرَهُ تَكْبِيرًا.

## دناروغي څخه دشفاییداکولو دعا:

علاج: که څوک ناروغي وي نو دده په غورکي دادعاوویل سي او چف دي کره سي انشاء الله شفاء به پیدا کړي:

أَفْحَسِبْتُمْ أَنَّمَا خَلَقْنَاكُمْ عَبَثًا وَأَنَّكُمْ إِلَيْنَا لَا تُرْجَعُونَ 115 فَتَعَالَى اللَّهُ الْمَلِكُ الْحَقُّ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ رَبُّ الْعَرْشِ الْكَرِيمِ 116 وَمَنْ يَدْعُ مَعَ اللَّهِ إِلَهًا آخَرَ لَا بُرْهَانَ لَهُ بِهِ فَإِنَّمَا حِسَابُهُ عِنْدَ رَبِّهِ إِنَّهُلَا

يُفْلِحُ الْكَافِرُونَ 117 وَقُلْ رَبِّ اغْفِرْ وَارْحَمْ وَأَنْتَ خَيْرُ الرَّاحِمِينَ: بيهقي رح دابن مسعود رضی الله تعالی عنه ڄڻه روایت ڪري ڏي ڇي رسول الله ﷺ فرمائي ڏي ڇي ڄوڪ ڊاآیت په پوره يقين سره ووائي نوغربه هم دخپل ڄايه ڄڻه وڃيڙي فايده: مطلب ڊاچيناروغي ڄويومعمولي اوکوچني شي ڊي غره ته لاهم حرکت ورکولاي سي.

### دزره دسختي دپاره دعا:

علاج: په مستدرک کي ڊابوجعفر علي محمدباقررح ڄڻه روآيدي ڇيڄوڪ په خپل زره کي سختوالي محسوس ڪري اودالله ﷻ په مخلوق رحم اوشفقت نه کوي اودچانصیحت نه قبولي نودغه سري ته پکارده ڇي پريو غاب (پليٽ) باندي سورة يسين په زعفرانوباندي وليکي اووه ڊي چيبنيداحادیثوپه کتابونوکي سورة يسين مختلف خاصیتونه راغلي ڊي حتي که دزکندن په وخت کي پرسري باندي وويل سي زکندن ورباندي اسانه کيږي. که ديوحاجت دپاره وويل سي هغه حاجت دسره کيږي. که پر ليوني باندي وويل سي جوږيږي. که سهاروويل سي نودرماننامه پوري دده خوشحالي باقي وي. ڊڊي ڄڻه ماسوا عالمانولیکلي ڊي ڇي سورة ياسين دزره د خوشحالی اوفرحت دپاره مورديږ مجرب پيداڪري ڊي. دغه رنگهکه ڄوڪ سهار سورة دخان ووائي ترمماننامه پوري به دخداي په حفاظت کي وي. ڊارمي روایت ڪري ڏي ڇي ڄوڪ سهار سورة دخان ووائي ترمماننامه پوري به هغه په مکروه کارکي مبتلانه سي.

## د فقر اولوري ليري کولو دپاره دعا:

علاج: بيهقي رح دابن مسعود رضی الله تعالی عنه څخه مرفوعاً روايت کړي دي چي څوک چي هره شپه سورة واقعه تلاوت کوي هيڅ کله به ده ته لوړه وړپيښه نه سي يعني دخوراک تنگي به هيڅ کله ورباندي رانه سي.

## د ولادت داسانتيا دپاره دعا:

علاج: بيهقي رح دابن مسعود رضی الله تعالی عنه څخه مرفوعاً روايت کړي دي چي که بنځي ته د ولادت په وخت کي سختي درد او تکليف زيات وي او ولادت نه کيږي نو دا کلمات دي وليکلي او پرې دي منځي په ناروغه بنځه دي وځيښي کلمات دادي.

بسم الله الذي لا اله الا الله الحكيم الكريم سبحان الله تعالي رب العرش العظيم الحمد لله رب العلمين كانهم يوم يرونهالم يلبثوا الا عشية اوضحا كانهم يوم يرون ما يوعدون لي يلبثوا الا ساعة من النهار بلاغ فهل يهلك الا القوم الفسقون. په صاحب الاتقان کي دابن سخي څخه روايت نقل سوي دي چي کم وخت د حضرت تفاظمېرضی الله تعالی عنه د ولادت وخت نږدي سونو رسول الله □ داايات د سورة اعراف:

إِنَّ رَبَّكُمُ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ ثُمَّ اسْتَوَىٰ عَلَى الْعَرْشِ يُغْشِي اللَّيْلَ النَّهَارَ يَطْلُبُ حَيْثُهَا الشَّمْسُ وَالْقَمَرُ وَالنُّجُومَ مُسَخَّرَاتٍ بِأَمْرِهِ أَلَا لَهُ الْخَلْقُ وَالْأَمْرُ تَبَارَكَ اللَّهُ رَبُّ الْعَالَمِينَ: او موعودتين ليکل او په طور د تحفي به ئي ورکول په دي وجه به په ولادت کي اساني راتله.

## دوسوي دفعه کولو دپاره دعا:

علاج: ابوداود دابن عباس رضی الله تعالی عنه څخه روایت کوي چي کله ته په خپل زړه کي وسوسه محسوسه کړي نو دادعا وائي. هو الاول والاخر والظاهر والباطن وهو بکل شیءٍ علیم.

## دورک سوي شي دپاره دعا:

علاج: علامه جزري په خپل کتاب کي ليکلي دي چي که ديو چاڅه يوشي ورک سوي وي يامنځه اومريي ځني وتبنتي نو ده ته پکار ده چي اول اودس وکړي بيا دوه رکعته لمونځ وکړي اوبيادي په دې کلماتوسره دعا وکړي .

بسم الله هادي الضلال وراذالضالة ار ددعلي ضالتي بقوتک  
وسلطانک فانها من عطائک وفضلک.

## دبازار دشرڅخه دحفاظت دپاره دعا:

علاج: په بازارونو کي قسما قسم فتني موجودي وي ځکه نو هر مسلمان لره پکار ده چي ترهغه وخته پوري دي هيڅکله بازار ته نه ځي ترڅو چي درسول الله ﷻ راښودل سوي علاج ئي نه وي کړي ځکه جزري رح روایت کړي دي چي دچاوبازار ته دتللو ضرورت وي نواول دي دادعا وائي ببيادي ولاړسي. بسم الله الهم اني اسئلك خير هذا اليوم وخير هذا السوق وخير ما فيها واعوذ بک ان اصيب فيها مينا فاجرَةً وصفقة خاسرة.

## د ناروغۍ څخه دحفاظت دعا:

علاج: که څوک ناروغه وويني او دادعاو وائي نوالله تعاليٰ به به دغه ناروغه په خپل حفاظت کي ساتلي ولري. اودغه بيماري به ده ته هيڅکله ونه رسيري دعاداده: اللهم اني اعوذ بک الحمد لله الذي عافاني مما ابتلاك به وفضلني علي كثير ممن خلق تفضيلاً.

## د فحش (بدر دڅخه) دحفاظت دپاره دعا:

که يو څوک په فحش ويلو عادت سوي وي علاج ئي دادي چي استغفار دي پيرو وائي. ځکه چي يو سري درسول الله به خدمتکي حاضر سواو عرض ئي وکړي چي زما ژبه په فحش ويلو عادت سوي ده رسول الله ورته وفرمائل چي ته ولي استغفار نه وائي زه خوهره ورځ استغفار وایم.

## دوسو سوڅخه دحفاظت دپاره عمل:

علاج: په حديث شريف کي راغلي دي چي چاته ډيره وسوسه ورپيښيري نوده ته امنه بالله ويل در (ورسله) پوري ويل پکار دي او په بعضي احاديثوکي راغلي دي چي دادعا دي وائي: الله احد الله الصمد لم يلد ولم يولد ولم يكن له كفوا احد. په بعضي احاديثوکي راغلي دي چي چاته په زړه کي وسوسه وراچوي ددغه شيطان نوم حنذب دي په دې وجه دي اعوذ بالله وائي او چپه خواته دې چف کوي.



## د نعمت دزياتي دودعا:

علاج: په حديث شريف کي راغلي دي چي کله يوسري ته الله ﷻ يونعمت ورکړي او هغه سري الحمد لله رب العالمين ووايي نوالله ﷻ به ته تردي نعمت زيات او بهتر ورکړي.

## د مال دزياتي دودعا:

علاج: څوک چي غواړي چي زما په مال کي دي برکت وي بايد چي دادعا وائي.

الهم صل علي محمد عبدک ورسلك و علي المومنين  
والمومنت و علي المسلمين و المسلمات:

## د درود شريف فايدي او خاصيتونه:

د درود شريف فائدي خوبي شماره دي ليکن کومي فائدي چي دقولي حديثونو څخه ثابتي دي دهغو مختصراً بيان دلته کوم ددي دپاره چي دطب نبوي څخه پوره فائده حاصله سي. څوک چي يو وار په رسول الله ﷻ باندي دردو وائي الله ﷻ او فرشتي پردغه سري باندي لس واره دردو وائي. او ددغه سري لس درجي پورته کيږي. او په عمل نامه کي ئي لس نيکي ليکل کيږي. لس بدي ئي محوه کيږي. دعائي قبليري. په ورځ دقيامت به در رسول الله ﷻ سره ولاړوي. ددي څخه ماسو او درود شريف په ويلو سره ددين او دنيا کارونه پوره کيږي. گناهونه په بخښل کيږي. درود شريف د صدقي پرځاي باندي هم دريږي. د دردي په برکت سره تکليف او سختي ليري کيږي. ناروغانو ته شفاء ورکول کيږي. په دښمن باندي فتحه حاصليري. په درديونکي باندي فرشتي هروخت رحمت

ليري. په دې سره د زړه صفائي کيږي. په کور او مال کي برکت راځي. وويونکي ته ئي درخو پير يو پوري د برکت اثر ظهوروي. د مرگ د سختيو څخه نجات وي. د درويونکي د قيامت د تکليفو څخه په امان وي. په دنيا کي الله تعاليٰ نجات ورکوي. د در د شريف په برکت سره هير سوي خوب سړي ته ور په ياديري. تنگ دستي ليري کيږي. د در د شريف ويونکي بخيل نه وي. په کم مجلس کي چي در د شريف ويل کيږي ټول اهل مجلس الله نجات په خپل رحمت کي پتوي. د در دويونکي به په پل صراط باندي په اسانه تير سي. در د شريف در رسول الله نجات ورکوي. د در دويونکي ته الله نجات ورکوي. په خوب کي ليدل او د قيامت په ورځ به ورته مصافحه (غاړه په غاړه روغې) ور نصيب سي او د دې سړي سره فرشتي هم مصافحه او مرحبا وائي. در د شريف فرشتي د سروزرو او چاندي په قلم باندي ليکي او د الله نجات ورکوي. څخه د دغه ويونکي د پاره مغفرت غواړي. ورسول الله نجات ورکوي. ته در د داسي رسيري چي فلان امتي پر تادرد وائي که څوک در رسول الله مقبري ته ولاړ سي او هلته در د شريف او سلام وائي نور رسول الله نجات ورکوي. هم په دغه سړي باندي سلام وائي نو در رسول الله نجات ورکوي. چي د چانصيب سي دادلکولکو کراماتو څخه افضل دي. در د شريف خاصيت دادي چي تر دري ورځو پوري ئي دويونکي گناه نه ليکل کيږي. په دې وجه چي شايد داسي توبه وکاري نو گناه به ئي ختم سي. در د دېه برکت به سړي د عرش در سايه لاندي ودريري. در دويونکي د تر از وپله به په ورځ د قيامت در نه وي او د قيامت په ورځ به د تندي څخه په امن وي. رسول الله نجات ورکوي. بعضي بزرگان پر خله مچ کړي دي ځکه چي دوي به در د شريف د پيروايه. د چاپه غورکي چي شور او روروي

بايد در د شريف په كثر ت سره ووائي او ورسته دا كلمات  
 ووائي. ذكر الله بخير من ذكر ني. الله □ دي مور ټولو ته  
 در د شريف دو ټولو توفيق رانصيب كړي او ددي په بركاتو دي  
 مور مستفيد كړي.

الهم صل علي محمد واله وازواجه وذريته وبارك وسلم.

### يادونه:

الله □ دي مور ټولو مسلمانانو لره دا كتاب طب نبوي  
 در حمت لير لوسبب وگرځوي امين ثم امين په  
 اخر كي ټولو مسلمانانو او خاص كړددي كتاب  
 ويونكي لره خواست كوم چي  
 ما او زما مور پلار استادان او حقداران او ددي كتاب  
 كاتب او مصنف او نشر كونكي ټول په  
 دعا خير كي ياد كړي.

تمت بالخير

**Get more e-books from [www.ketabton.com](http://www.ketabton.com)  
Ketabton.com: The Digital Library**